वर्ष-10, अंक-172
इन्दौर, शुक्रवार
20 सितम्बर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने सामूहिक प्रयास जरूरी : राष्ट्रपति

देश के सर्वांगीण विकास के लिये जवाबदेही से संकल्पबद्ध होकर किये जाये कार्य

भोपाल, राष्ट्रीय जनभावना। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आहवान किया कि बेटियों को शिक्षित तथा आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रोत्साहित किया जाये। देश को विकसित बनाने में बेटियों का अहम योगदान रहेगा। बेटियों को शिक्षित तथा आत्मनिर्भर बनाने तथा देश के सर्वांगीण विकास के लिये सामूहिक प्रयासों की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर महिला सशक्तिकरण और आत्म-निर्भरता का उत्तम उदाहरण है। देवी अहिल्याबाई होल्कर ने कुशल प्रशासन, न्याय परायणता और कल्याणकारी कार्यों में कई मानक स्थापित किये है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू आज इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के हीरक जयंती समारोह के अवसर पर 14वें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रही थीं। समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों को स्वर्ण तथा रजत पदक और उपाधियाँ वितरित की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में इंदौर ने देश में असाधारण उपलब्धि हासिल की है। इसके लिये इंदौरवासियों को बधाई। उन्होंने कहा कि यह शहर देवी अहिल्याबाई होल्कर के नाम से पहचाना जाता है। इंदौर में विश्वविद्यालय भी देवी अहिल्याबाई के नाम पर स्थापित है। यह हमारे लिये गौरव का समय है, जब हम देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती मना रहे हैं। लोक माता अहिल्याबाई शिक्षा के महत्व को समझती थी। उनके पिता ने भी उस दौर में उन्हें शिक्षा दिलाई जब बालिकाओं को शिक्षा दिलाना बहुत कठिन होता था। समाज के लोग उस वक्त शिक्षा का विरोध करते थे। देवी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन महिला सशक्तिरण का उत्तम उदाहरण है। उन्होंने अपने जीवन और शासन काल में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिये नवीन और सफल प्रयास किये। साथ ही जनजातीय समाज की आजीविका को सुनिश्चित करने के लिये निर्णय लेकर उसे मुर्त रूप दिया और विकास के लिये अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये। राष्ट्रपति ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने कुशल प्रशासन, न्याय परायणता और कल्याणकारी कार्यों में कई मानक स्थापित किये है। उनका जीवन महिलाओं के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, शैक्षणिक सहित अनेक क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव का बेहतर उदाहरण रहा है। उन्होंने अपने आत्म-विश्वास और दृढ़-संकल्प से कठिनाइयों एवं संघर्ष के दौर में बनाये रास्ते पर आज सुगमता से चला जा रहा है। राष्ट्रपति ने एक विदेशी कवियित्री की कविता का जिक्र करते हुए कहा कि देवी अहिल्याबाई की ख्याति देश ही नहीं विदेश में भी थी। यह हमारे लिये गौरव की बात है। मैं लोक माता देवी अहिल्याबाई की स्मृति को सादर नमन करती हूं। उन्होंने कहा कि यह लोकमाता देवी अहिल्याबाई का ही आर्शीवाद और आदर्शों की प्रति है कि आज के दीक्षांत समारोह में सर्वाधिक पदक बेटियों ने ही प्राप्त किये है। उन्होंने पदक प्राप्त सभी बेटियों को शुभकामनाएं दी और विश्वास व्यक्त किया कि जीवन की सभी बाधाओं को दूर करते हुए स्वयं ही रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ेगी और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगी। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि इंदौर की ही श्रीमती सुमित्रा महाजन ने जनसेवा और लोकतंत्र में योगदान देने का अत्यंत प्रभावशाली उदाहरण प्रस्तुत किया। श्रीमती मुर्मु ने शैक्षणिक संस्थानों, गुरुजनों और अभिभावकों का आहवान किया कि वे बेटियों को शिक्षित तथा आत्म-निर्भर बनने के लिये प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि भारत 2047 में सबसे विकसित और सबसे आगे रहने वाला देश बनने के लिये तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें बेटियों की अहम भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि बेटियों को प्रोत्साहित किया जाये कि वे बड़े सपने देखें, बड़ा लक्ष्य तय करें और उसे पाने के लिये मेहनत से कार्य करें। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय एक ऐसा प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय है जहाँ तीन लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययन कर रहे है। इस विश्वविद्यालय के परिक्षेत्र में अनेक ऐसे जिले आते है जहां अनुसूचित जनजाति के लोग ज्यादा है। इसे मद्देनजर रखते हुए इस विश्वविद्यालय में ट्रायबल स्टडी सेंटर प्रारंभ किया है। यह एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमें ÷सबका साथ, सबका विकास एवं सबका प्रयास÷ का नारा दिया। देश को आगे बढ़ाने के लिये सबका सहयोग एवं सामूहिक विकास जरूरी है। सर्वांगीण विकास के लिये पिछड़ों को भी आगे लाने के लिये सरकार के साथ ही सबका सहयोग भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने नयी शिक्षा नीति लागू की है। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिये सही पथ का चयन करें। इसके लिये माता-पिता, गुरुजनों और अनुभवी व्यक्तियों का सहयोग ले।

दिल्ली, मेरठ, नोएडा में छापे

धनकुबेर निकला रिटायर्ड IAS अफसर

फटी रह गईं अफसरों की आंखें, अधिकारी के घर से मिले 12 करोड़ के हीरे-जेवरात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोटस 300 प्रोजेक्ट मामले में ED ने दिल्ली-यूपी में कई जगह छापे मारे. रिटायर IAS अफसर और नोएडा अथॉरिटी के पूर्व CEO रहे मोहिंदर सिंह के चंडीगढ़ स्थित कोठी पर भी छापा पड़ा. यहां ले करीब एक करोड़ रुपये कैश, 12 करोड़ रुपये के हीरे जब्त किए गए हैं. फिलहाल मामले की जांच जारी है. वहीं, इस मामले में मेरठ के एक बड़े एक्सपोर्टर और बिल्डर आदित्य गुप्ता के ठिकानों से करीब 5 करोड़ से ज्यादा के हीरे जेवरात बरामद किए गए हैं. ED ने ये रेड हैसिंडा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के दफ़्तरों पर की थी. ED ने मेरठ मे शारदा एक्सपोर्ट, जो कालीन के कारोबारी से जुड़ी है. दिल्ली के अलावा मेरठ, नोएडा और चंडीगढ़ में छापे मारे गए. रिटायर IAS अफसर एवं नोएडा अथॉरिटी के पूर्व CEO रहे मोहिंदर सिंह के चंडीगढ़ स्थित कोठी पर भी छापा पड़ा. इनकी कोठी से करीब एक करोड़ रुपये कैश, 12 करोड़ रुपये के हीरे, 7 करोड़ कीमत के सोने के जेवरात और तमाम संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए हैं.

क्या है पूरा मामला

2018 में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने नोएडा के सेक्टर 107 में लोटस 300 प्रोजेक्ट के मामले में रियल एस्टेट कंपनी 3C के तीन डायरेक्टर निर्मल सिंह, सुप्रीत सिंह और विदुर भारद्वाज को गिरफ्तार किया था. ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के मुताबिक 24 मार्च 2018 को होम बायर्स की शिकायत पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया था.

पुलिस के मुताबिक बायर्स से प्रोजेक्ट में 636 करोड़ की रकम ली गई थी, जिसमें से लगभग 191 करोड़ की रकम 3C कंपनी की सब्सिडरी कंपनी में ट्रांसफर की गई, जिनका कंस्ट्रक्शन से कोई लेना देना नहीं था.

एक हजार करोड़ का फर्जीवाड़ा

166 करोड़ की टैक्स चोरी का मास्टरमाइंड निकला 26 वर्षीय युवक

सीसीटीवी में कैद हुआ चौंकाने वाला सच

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में जीएसटी चोरी को लेकर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर तीन कंपनियां बनाई गईं। इसके बाद इन्हीं कंपनियों ने 54 कंपनियों से व्यापार के फर्जी बिल तैयार किए। महज एक से डेढ़ साल के भीतर इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) और जीएसटी रिफंड के नाम पर 166 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी की।

जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पूरे खेल को बेहद शातिर तरीके से अंजाम दिया गया, जिसका मास्टरमाइंड 26 साल का वीरेंद्र उर्फ कल्पेश कुमार था। पूरी घटना में उसके 2 साथी (कृष्ण कुमार और दिनेश कुमार) भी शामिल थे, लेकिन पूरा लेनदेन वीरेंद्र के खाते से हुआ था।

जानकारों के मुताबिक 18 फीसदी जीएसटी के हिसाब से यह फर्जीवाड़ा करीब 1 हजार करोड़ तक पहुंचने की आशंका है. मामले की सच्चाई जांचने के लिए भास्कर टीम बाड़मेर के मुरतला गाला गांव स्थित वीरेंद्र के घर पहुंची। आरोपी के पिता हेमाराम ने बताया कि उसने महाबार स्थित एक बैंक से लोन लेकर ट्रैक्टर खरीदा था. दिन-रात गाड़ी चलाकर लोन की किश्त चुका रहा हूं। घर में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक पानी का टैंकर है। वीरेंद्र जयपुर में रहकर प्रतियोगिता की तैयारी कर रहा है। वह खुद घर से पैसे लेकर जाता है। वीरेंद्र और उसके साथी दिनेश कुमार जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) की पूणे इकाई की हिरासत में हैं। दोनों से पूछताछ की जा रही है. तीसरा साथी कृष्ण कुमार अभी भी फरार है. जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने फर्जी कंपनियां बनाकर टैक्स चोरी करने वाली कंपनियों के खिलाफ एक विशेष अभियान शुरू किया है।

विभाग की एक टीम ने अप्रैल 2024 में पुणे में कार्रवाई की थी. यह पाया गया कि तीन कंपनियां पुणे में काम करती हैं लेकिन उनका मुख्य व्यवसाय स्थान गोवा और महाराष्ट्र में कुछ अन्य स्थान है। डीजीजीआई की टीम जब मेसर्स एसके इंटरप्राइजेज के गोवा पते पर पहुंची तो वहां फर्म का कार्यालय नहीं मिला. इसी तरह, मेसर्स आरके एंटरप्राइजेज का गोवा में कोई कार्यालय नहीं था।

मेसर्स श्री महालक्ष्मी इंटरप्राइजेज का पता पुणे, महाराष्ट्र था, वहां भी फर्म का कोई अस्तित्व नहीं मिला। जब तीनों फर्में नहीं मिलीं तो जांच एजेंसी सतर्क हो गई और तीनों के रिकॉर्ड खंगालने शुरू

आतिशी के साथ ये पांच नेता लेंगे मंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतिशी के साथ शपथ लेने वाले नेताओं के भी नाम सामने आ गए है। सूत्र बता रहे हैं कि दिल्ली के चार अन्य मंत्री कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय और इमरान हुसैन कैबिनेट पद बरकरार रखने के लिए तैयार हैं। दिल्ली की मनोनीत मुख्यमंत्री आतिशी और उनका मंत्रिमंडल 21 सितंबर को पद की शपथ लेगा। आतिशी शनिवार को 5 कैबिनेट मंत्रियों के साथ शपथ लेंगी। सत्तारूढ़ दल ने शुरू में तय किया था कि केवल आतिशी ही शपथ लेंगी, हालांकि बाद में यह तय हुआ कि उनकी मंत्रिपरिषद भी शपथ लेगी। आतिशी के साथ शपथ लेने वाले नेताओं के भी नाम सामने आ गए है। सूत्र बता रहे हैं कि दिल्ली के चार अन्य मंत्री कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय और इमरान हुसैन कैबिनेट पद बरकरार रखने के लिए तैयार हैं।

सलमान के पिता सलीम खान को धमकी

स्कूटी सवार महिला बोली- सही से रहो, वरना लॉरेंस को बता दूंगी; केस दर्ज

मुंबई (एजेंसी)।

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के पिता सलीम खान को एक बार फिर धमकी मिली है। गुरुवार सुबह उन्हें यह धमकी तब मिली, जब वह सैर पर निकले थे।

बताया जाता है कि बांदा इलाके में सुबह की सैर के वक्त एक स्कूटर पर सवार होकर एक आदमी और एक बुर्का पहनी महिला उनके पास आए और गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम लेते हुए धमकी दी। बुर्का पहनी हुई महिला ने सलीम खान से कहा, लॉरेंस बिश्नोई को भांजूं क्या उस वक्त वो एक बेंच पर बैठे थे। इस घटना के बाद पुलिस ने तत्काल CCTV फुटेज खंगाला और दोनों स्कूटी सवारों को हिरासत में ले लिया। मामले की जांच की जा रही है। धमकी के बाद मुंबई पुलिस अलर्ट हो गई है, जिसके बाद जांच शुरू की गई। इससे पहले इस साल अप्रैल में, मुंबई के बांद्रा में सलमान खान के घर के बाहर दो बाइक सवार लोगों ने कई राउंड फायरिंग की थी। घटना में किसी की मौत नहीं हुई या कोई घायल नहीं हुआ। घटना के बाद भगोड़े गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने सोशल मीडिया पोस्ट में घटना की

संपादकीय

पेजर धमाके अर्थात इजराइल-हमास युद्ध का विस्तार

रुस और यूक्रेन के बीच जारी जंग युद्धबंदियों की अदला-बदली से थमती नजर तो आई है, लेकिन

इजरायल और हमास के बीच जारी जंग किसी सूरत खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दरअसल 07 अक्टूबर 2023 को हमास के द्वारा किए गए इजराइल पर हमले के बाद से यह जंग बराबर जारी है। गाजा पट्टी और उसके आस-पास युद्ध का भयावह मंजर लगातार देखने को मिल रहा है। मानवता को मानों जमींदोज कर युद्ध के तमाम नियमों को ताक पर रख, एक-दूसरे पर हमले किए जा रहे हैं। इन हमलों में कौन मर रहा और कौन हताहत हो रहा, इससे भी किसी को मानों कोई सरोकार नहीं रह गया है। युद्ध की विभीषिका में शांति के कपोत भी मारे जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की अपील के बावजूद कहीं से कोई हमलों की कमी होती नजर नहीं आ रही है। हद तो यह है कि हमले ऐसी जगहों पर भी किए गए, जिन्हें बच्चे, बूढ़ों और महिलाओं के रहने और इलाज के लिए चिंहित किया गया था। इन हमलों में संयुक्त राष्ट्र की टीम के साथ काम करने वाले भी अपनी जान गंवाते नजर आए हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इजराइली हमलों में अब तक करीब 42 हजार 957 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 80फीसदी फिलस्तीनी नागरिक बताए गए हैं। इस युद्ध में सबसे अधिक फिलस्तीन को नुक्सान उठाना पड़ रहा है। ऐसे अंधे युद्ध की चारों ओर निंदा तो हो रही है, लेकिन इस युद्ध को रोका कैसे जाए और किस तरह से न्याय करते हुए कानून का राज लाया जाए कहना मुश्किल हो रहा है। खासतौर पर तब जबकि इजराइल-हमास युद्ध को विस्तार देने वाली ताकतें लगातार सफल होती जा रही हैं। इस कारण गाजा पट्टी व अन्य आस-पास के इलाकों को भी निशाना बनाया जा रहा है। हमले का तरीका नया है, जिससे इस युद्ध में अन्य देशों के शामिल होने के पुख्ता सुबूत भी मिलने लगे हैं। यहां बताते चलें कि लेबनान और उसके हिजबुल्लाह लड़ाकों पर एक नए तरह से पेजर धमाकों से हमला किया गया है। इसके तहत लेबनान और सीरिया के अनेक शहरों में इस्तेमाल हो रहे हजारों पेजर अचानक धमाकों के साथ फट गए। इसमें एक दर्जन के करीब लोगों की मौत हो गई जबकि हजारों की तादाद में लोग जख्मी हुए हैं। इससे साफ हो गया है कि इजराइल और लेबनान सीमा पर अब हमले और तेज हो जाएंगे। यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि बम की तरह इस्तेमाल किए जाने वाले पेजर बनाने वाली कंपनी को आखिर दुश्मन देश के रणनीतिकारों ने कैसे साध लिया।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया।

ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठा व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

कहानी

विडंबना

शर्मा जी की राधा जी से शादी होने के दो साल बाद उनके घर पर एक साथ दो बेटों का जुड़वा बच्चों के रुप में जन्म हुआ। संयोग से फिर दो वर्षों बाद शर्मा जी के घर पर दो बच्चियों सीता और गीता का जुड़वा जन्म हुआ। अब घर में सब खुश थे। धीरे धीरे घर में पूरी रौनक रहने लगी थी। सीता और गीता का लालन पालन बड़े प्यार से होने लगा था। घर में सीता और गीता के मम्मी पापा और दोनों बड़े भाई इनका पूरा खयाल रखते थे। जुड़वा भाई और जुड़वा बहिनों के होने के कारण घर परिवार वाले अक्सर दुविधा में पड़ जाया करते थे कि राम कौन है और श्याम कौन है इसी तरह सीता और गीता को भी पहचानने में चक्कर पड़ जाया करता था। घर में सीता और गीता की मम्मी राधा जी का बड़ा रुतबा था। बिना राधा जी की राय के कोई भी छोटा मोटा काम नहीं किया जाता था। धीरे धीरे बच्चें बड़े होने लगे और इनकी शिक्षा पर पूरा ध्यान रखा जाने लगा। एक रोज सीता और गीता के स्नातक होने के बाद उनकी अच्छे घरों में बड़े धूमधाम से शादी हो चुकी थी। इसी तरह एक साल के भीतर राम और श्याम की भी शादी करदी गई थी। शादी होने के बाद सीता और गीता अपने पीहर में अपने मम्मी पापा और भाइयों व भाभियों से मिलने जब मन करता तब अधिकार पूर्वक आती रहती थी और कुछ दिनों तक रुकने के बाद अपने अपने ससुराल चली जाया करती थी। सीता और गीता दोनों अपने अपने ससुराल में थी तब

एक दिन अचानक सीढ़ियों से नीचे गिरने के कारण सीता और गीता के पापा को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया और कुछ ही दिनों के उपचार के बाद उनका निधन हो गया था। यह दुखद समाचार सुनकर सीता और गीता को ऐसा लगा मानो उन दोनों पर बिजली गिर गई हो। सामाजिक रीति रिवाज अनुसार सीता और गीता को दस बारह दिन अपने पीहर में ही रुकना पड़ा। इस दौरान इन दोनों ने महसूस किया कि अब उनकी मम्मी उनके पापा के अभाव में सभी तरह से कमजोर पड़ने लगी है। राधा जी को भी यह महसूस होने लगा था कि अब वह बात नहीं रही। अब वह पूर्णतया अपने बेटों और बहुओं पर आश्रित हो चुकी थी। अब कोई भी काम होता तो उसे बच्चों से पूछना पड़ता था। घर पर सीता और गीता के आने पर इनके लिए पहले राधा जी जो भी करती थी तो खुल कर करती थी मगर अब वह काफी संयमित हो गई है। सीता और गीता को भी यह महसूस होने लगा था कि अब घर में वह बात नहीं रही। एक दिन सीता और गीता दोनों आपस में अलग कमरे में रोते हुए बात कर रही थी तो सीता ने कहा कि पापा के जाने के बाद हमारा घर हमारे लिए अब आधा रह गया है।अगर मम्मी के कुछ हो गया तो फिर... यह सुनकर गीता ने रोते हुए कहा कि बस आगे मत बोलना। जैसे तैसे बारह दिन पूरे होने पर सीता और गीता को अपने अपने ससुराल जाना पड़ा। इस दौरान भाइयों और भाभियों ने अब कुछ दिन और रुकने के लिए नहीं कहा था। यह बात इनको और इनकी मम्मी को अन्दर तक हिला गई थी। कुछ माह बाद दोनों ने मम्मी से मिलने का मानस बनाया और अपने पीहर आ गई थी। अब घर में वह आजादी और रौनक देखने में नहीं आ रही थी। अब अपने ही घर में अधिकार विहीन सी हो चुकी सीता और गीता को हर बात के लिए भाइयों और भाभियों के मूड को देखना और समझना पड़ता था। इस घुटन भरे हुए माहौल को देखते हुए सीता और गीता ने अपने अपने ससुराल जाना ही उचित समझा और फिर दोनों अपने अपने ससुराल के लिए रवाना हो गई थी। हां! उनकी मम्मी ने दोनों को रोते हुए गले लगा कर विदा किया और इस बार तो विवश मम्मी के मुंह से भी नहीं निकला कि फिर आना।शर्मा जी के जाने के बाद मुश्किल से दो साल ही हुए नहीं कि सीता और गीता को समाचार मिला की उनकी मम्मी का भी निधन हो गया है। सीता और गीता ने बड़ी मुश्किल से अपने आप को संभाला और फिर दस बारह दिन अपने पीहर में गुजारे। अब फिर से दोनों रोते हुए बात कर रही थी कि पापा और मम्मी के जाने के बाद अब तो ऐसा लगता है कि यह घर पराया हो गया है।पापा के जाने के बाद आधा खत्म हो गया था और अब मम्मी के जाने के बाद तो लगभग पूरा ही खत्म हो गया है। अब वह जिद वह अधिकार सबकुछ खत्म सा हो चुका था। जैसे तैसे बारह दिन पूरे होने पर दोनों फिर से अपने अपने ससुराल के लिए निकल चुकी थी।

अशोक रंगा

समय बीतता गया। अब सीता और गीता का भी पहले की तरह मन नहीं करता था कि पीहर चले और पीहर पक्ष की तरफ से भी कोई बड़ा प्रोग्राम होने पर ही बुलावा आया करता था।

अपने अपने ससुराल में रहते हुए अब जब भी कभी टीवी पर ये हिंदी फिल्मों के चर्चित गीत जो बाबुल प्यारे...ओ रोए पायल की छम छम ओ सिसके सांसों की सरगम।ओ निस दिन तुझे पुकारे मन, हो। ओ बाबुल प्यारे... तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है, प्यारी प्यारी है,ओ माँ, ओ माँ, ओ माँ, ओ माँ ।यह जो दुनिया है, वन है कांटो का, तू फुलवारी है।ओ माँ, ओ माँ, ओ माँ, ओ माँ ॥ ये गलियाँ ये चौबारा यहाँ आना न दोबारा।अब हम तो भए परदेसी के तेरा यहाँ कोई नहीं। ले जा रैंग-बिरंगी यादें हँसने रोने की बुनियादें... बजने लगते तो सीता और गीता की आखों में से आंसू टपकने लग जाया करते थे और उनके बच्चें टीवी बन्द कर अपनी अपनी मम्मी के आंखों से आसूं पोंछने लग जाते थे।

मैं टोटली नालायक हूं भाई साहब

अब मैं बहुत प्रसन्न हूं। मुझे अपने को प्रसन्न कहने पर आप जानता हूं बहुत दुखी होंगे। क्योंकि आज हम दूसरों का बुरा होने देख गदगद हो सकते हैं, पर जो हमसे कोई कहे कि वह प्रसन्न है तो हम बहुत दुखी हो जाते हैं। सही ही है। हमारे अतिरिक्त और किसीको यहां प्रसन्न रहने का कोई अधिकार नहीं। मेरी प्रसन्नता का कारण है कि अब मैंने पूरी तरह मान लिया है कि मैं नालायक हूं। सिर से लेकर पांव तक। कुछ लोग अपने को पूरा नालायक नहीं मानते। आधा अधूरा नालायक मानते हैं। ऐसे लोग न नालायकों के बीच गिने जाते हैं, न लायकों के बीच। अच्छा लगता है कि जब हमें कोई नालायक घोषित करे उससे पहले ही हम अपने को नालायक घोषित कर दें। इससे कम से कम एक बात की खुशी तो रहती है कि हमने खुद को खुद ही नालायक घोषित किया किसी दूसरे ने नहीं। हमें कोई दूसरा नालायक घोषित तो मत पूछो कितनी पीड़ा होगी? फिर भी पता नहीं क्यों कुछ नालायक अव्वल दजें के नालायक होने के बाद भी खुद को समझदार होने की जिद पर अड़े रहते हैं। वैसे समझदार से समझदार तक को लोग एक न एक दिन नालायक घोषित कर ही चैन की सांस लेते हैं। ऐसे में अपने को नालायक मान लेने में जो आंनद है वैसा कहीं और नहीं। ये तो कोई समझदारी की बात नहीं कि लोगों से अपनी समझदारी की सैंकड़ों फजीहतें करवा कर नालायक होए। इसलिए जिन जिनको मजे से जीना हो तो मेरा अनुभव है वे वे अपने को चुपचाप नालायक घोषित कर जीवन का असली लुत्फ उठाएं। हे समझदारो! यहां चोर भले ही अपने को चोर न माने। यहां साध भले ही अपने को साध न माने। यहां लुटेरा भले ही अपने को लुटेरा न माने। यहां जनसेवक भले ही अपने को जनसेवक न माने। यहां राष्ट्रद्रोही भले ही अपने को राष्ट्रद्रोही न माने। यहां बलात्कारी भले ही अपने को बलात्कारी न माने। वह अपने को निर्दोष साबित करने के लिए भले ही सबसे अच्छा वकील कर पूरा जोर लगा दे। पर मैं अपने पूरे होशोहवास में स्वीकार करता हूं कि मैं नालायक हूं। क्योंकि मेरे बच्चे मानते हैं कि मैं नालायक हूं। क्योंकि मेरी बीवी मानती है कि मैं नालायक हूं। क्योंकि मेरे पड़ोसी मानते हैं कि मैं नालायक हूं। क्योंकि मेरे मोहल्ले वाले मानते हैं कि मैं नालायक हूं। क्योंकि मेरे नालायक रिश्तेदार तक मानते हैं कि मैं नालायक हूं। यहां तक कि अब तो मेरे दोस्त भी मानते हैं कि मैं नालायक हूं। वैसे जब घरवाले भी मुंह पर नालायक घोषित करने लग जाएं तो समझदार की समझदारी इसी में ही होती है कि वह सहज मान ले कि वह समझदार होने की सारी नैतिकताएं खो चुका है। असल में मैं सच्ची को नालायक हूं। क्योंकि मैं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारता हूं। जबकि समझदार दूसरों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारता मल्हार गाता हैं। मैं नालायक हूं क्योंकि मै दूसरों के हिस्से का विषपान करता हूं जबकि समझदार अपने हिस्से का विष दूसरों को पिलाते हैं और उनके हिस्से का अमृत मजे से पी जाते हैं। मैं सच्ची का नालायक हूं। क्योंकि मैं समझदारों के हिस्से के विष का विषपान करता हूं, जबकि समझदार सबके रक्त का रक्तपान करते हैं। नालायक किस्म के जीव विष पीते हैं और समझदार टाइप के लोग रक्त। मैं नालायक हूं क्योंकि मैं टॉक्सिक रिश्तों से अमृत मांगता हूं। समझदार अमृती रिश्तों को टॉक्सिक बनाकर ही दम लेते हैं। मैं नालायक हूं क्योंकि मैं सिीके यहां आग लगने पर अपना पीने का पानी लेकर उसे बुझाने दौड़ पड़ता हूं। समझदार टाइप के किसीके घर में आग लगा अपनी पानी की ओवरफ्लो होती टंकियों में ताला लगा देते हैं। कल वे मुझ नालायक से मिलने आए पूरी समझदारी के साथ। उस वक्त मैं अपनी नालायकी के सरोवर डुबकियां लगा रहा था, पता नहीं क्या सोचते हुए? क्यों सोचते हुए? जबकि सोचना केवल और केवल समझदारों के अधिकार क्षेत्र में आता है,' और नालायक जी! क्या हाल हैं?' उन्होंने मुझसे आदर सहित सीना चौड़ा कर पूछा तो अच्छा लगा कि नालायकों की भी इज्जत होती है। खैर! मैने बुरा न माना न भला। क्योंकि मैं जानता हूं कि किसीकी भी बात का बुरा न मानना नालायकों का कत्तर्व्य होता है। इसलिए जो कभी किसी नालायक को किसी समझदार द्वारा समझाते कुछ बुरा लगे तो उसे उसके साथ वाद विवाद न करते हुए तुरंत क्षमा मांग लेनी चाहिए। अगर नालायक टाइप के लोग ऐसा नहीं करते तो समझदारों को बहुत बुरा लगता है। कुछ नहीं! बस,अपनी नालायकी का जश्न मना रहा हूं,' मैंने हंसते हुए कहा तो वे ठहाका लगाते बोले,' हद है यार तुम्हारी नालायकी की भी! लोग हैं कि अपनी समझदारी का जश्न नहीं मनाते और तुम अपनी नालायकी का जश्न मना रहे हो? मान गए तुम्हें नालायक हो तो तुम जैसा। वर्ना लायक ही भले।' 'देखो दोस्त! समझदारों के पास गलत फैसलों पर भी जश्न मनाने के एक से वाहियात तर्कों वाले सुखद तरीके होते हैं। जबकि सच यह है कि जो गलत होता है, वह गलत होता है। उनका निजी फैसला हो तो हो रहे, पर मुझ जैसे नालायक के पास कोई तर्क वितर्क नहीं होता। क्योंकि मेरे जैसे नालायकों के सही कदम भी गलत माने जाते हैं। अगर नालायक आदमी किसीको कहे कि आग से हाथ जलते हैं तो समझदार फिर भी अपने हाथ जलाकर देखना चाहता है। नालायक दूसरे के हाथों को जलने से बचाने के लिए अपने हाथ जला डालता है जबकि समझदार जो कोई अपने हाथ जला रहा हो तो उसके हाथ आग के और अधिक कर देता है।' ' मतलब तुम पूरी तरह स्वीकार कर चुके हो कि तुम नालायक हो?' ' जी हां! मैं पूरी तरह खुले मन से स्वीकार कर चुका हूं कि मैं अधकचरा नालायक नहीं, पूरा का पूरा नालायक हूं। और कुछ? इसलिए अब मैं समझदारों के दलदल में जाना भी नहीं चाहता,' मैंने उनकी तरफ मुस्कुराते देखते कहा तो वे बोले,'तो अपने को नालायक घोषित करने पर हजारों शुभकामनाएं।' ' थैंक यू सो मच!' मैंने उन्हें सादर प्रणाम किया और अपनी नालायकी के सरोवर में पुनः नाक बंद किए बगैर गोते लगाने लग गया।

अशोक गौतम

पोटली का परांठा ब्यूरोक्रेसी को बड़ा संदेश !

कभी-कभी बहुत मामूली सी बातें न केवल हर कहीं चर्चा का विषय बन जाती हैं बल्कि इतनी भावुक और प्रभावी कर जाती हैं कि पूछिए मत। लेकिन जब मामला विनम्रता, सहजता और गरीब की पोटली में बंधे पराठे खुलवा कर एक टुकड़ा खाने का हो तो दिल को छू ही जाएगी। उसमें भी यदि जिला कलेक्टर और फरियादी का हो तो हर कहीं उदाहरण और चर्चा का विषय बनेगा ही। ऐसा ही एक वाकया उत्तर प्रदेश के औरैया जिले का है जो पूरे देश में सुर्खियां बटोर रहा है। जहां अपने रुतबे और ठसक के लिए आईएएस-आईपीएस पहचाने जाते हैं वहीं औरैया कलेक्टर इन्द्रमणि त्रिपाठी की इससे विपरीत भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है। हो भी क्यों न उनके दफ्तर में डरा-सहमा सा एक ग्रामीण मजदूर अपनी फरियाद लेकर बहुत दूर से आया। दफ्तर में घुसते ही वहां का माहौल उसे असहज कर, घबरा रहा था। लेकिन तुरंत कलेक्टर इन्द्रमणि त्रिपाठी ने उसकी मनोदशा भांपी, पूछा कि घर वापस पहुंचने में देर हो जाएगी तो रास्ते में भूख का क्या इंतजाम है? भोले-भाले मजदूर ने हाथ में रखे झोले से पोटली निकाल डरते-डरते दिखाते हुए कहा कि उसकी पत्नी ने कुछ परांठे बांध दिए हैं। इतना सुनते हुए त्रिपाठी ने कहा कि मैं तुम्हारा काम तभी करूंगा जब तुम मुझे अपना परांठा खिलाओगे! यह सुनते ही मैले-कुचैले कपड़े पहना फरियादी असमंजस में पड़ गया और बहुत हिम्मत कर बोला मैं तो छोटा आदमी हूं, आप कहां मेरे पराठे खाएंगे? कलेक्टर त्रिपाठी ने तपाक से कहा कि छोटा-बड़ा कुछ नहीं, पराठा खिलाओगे तभी काम करूंगा। फरियादी ने बड़ी ही झिझक से शर्माते हुए घर से लाई पोटली में बंधे हुए पराठों को कलेक्टर के सामने खोला और दे दिया। उसमें से एक टुकड़ा लेकर कलेक्टर ने खाना शुरू कर दिया। यह देख उनके साथ बैठे सभी मातहत भी अवाक और हक्का-बक्का रह गए। बाद में फरियादी के घर पर जिला प्रशासन की टीम पहुंची। वहां पता चला कि उसके बड़े भाई लकवाग्रस्त हैं। उनके इलाज के लिए पैसे नहीं हैं। इसलिए वह अपने हिस्से की जमीन बेचकर भाई का इलाज कराना चाहता है। जमीन बेचने की बात पर तीन भाइयों में विवाद है। प्रशासनिक

अमले ने तीनों को साथ बिठाकर बात कराई। भाई के इलाज के लिए सरकारी मदद की प्रक्रिया भी शुरू कर दी और सभी के आपसी गिले-शिकवे दूर हो गए। फरियादी समस्या के समाधान से ज्यादा इसलिए बेहद खुश और भावुक था कि इतने बड़े अधिकारी ने इतना आत्मीय व्यव्हार कर उसके पराठे खाए।

यकीनन यह घटना कल्पना से परे है। ऐसे नजारे देश में गिने-चुने ही हुए होंगे। जिला, संभाग, तहसील तथा हर सरकारी दफ्तर के अधिकारी सरकार के प्रतिनिधि के रूप में काम करते हैं। लगभग हर कहीं एक तय दिन पर जन सुनवाई, जनता दर्शन जैसे विभिन्न नामों से सरकार की ओर से दरबार लगते हैं। दूर दराज से ज्यादातर ग्रामीण व ऐसे लोग जिनकी कोई राजनीतिक पकड़ या जुगाड़ नहीं होती, सीधे अधिकारियों के पास पहुंचते हैं। लेकिन एक बड़ी हकीकत यह भी कि कितने मामले निराकृत होते हैं या लोगों को संतुष्ट करते हैं, सब जानते हैं। कई जगह तो ठीक से फरियाद तक नहीं सुने जाने की सच्चाई भी सामने आती है। अधिकतर अधिकारी निराकरण के नाम पर महज खाना पूर्ति करते हैं। सीएम हेल्पलाइन जैसी सुविधा भी कुछ राज्यों में है। फोन पर आम जनों से शिकायत लेकर पंजीकरण होता है। जिसे संबंधित जिले, फिर विभाग को भेजा जाता है। अमूमन शिकायतों को ब्यूरोक्रेसी में बेवजह का बवाल तक समझने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। कुछ अन्य राज्यों में तो सीएम हेल्प लाइन या डेस्क की शिकायतें को बंद कराने के लिए अधिकारियों का दुर्व्यव्हार यहां तक फोन पर धमकाने के भी ऑडियो खूब वायरल हुए। कई जगह बरगला कर झूठे आश्वासन देकर शिकायतें बंद कर दी गईं और जनसाधारण की समस्या वही ढ़ांक के तीन पात जैसी रह गई।

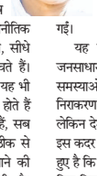

यह सही है कि अधिकारी जनसाधारण के वाजिब काम और समस्याओं को सुनने और उनका निराकरण करने के लिए होते हैं। लेकिन देश में भ्रष्टाचार का दीमक इस कदर हर विभाग में जड़ें जमाए हुए है कि लोगों को अपने काम के लिए बिना लेन-देन सफलता नहीं मिलती। भ्रष्टाचार एक रिवाज बन चुका है। देश में ब्यूरोक्रेसी पूरी तरह से हॉवी है। लोग अपने-अपने काम के लिए दफ्तरों के चक्कर पर चक्कर लगाते हैं और रोजाना भटकते हैं, वहां यह एक मिशाल है। क्या यह रवैया पूरे देश में नहीं हो सकता? अवैध चढ़ोत्री के दम पर कई लोगों के हकों पर डाका डालने से लेकर नौकरी से लेकर फर्जी दस्तावेजों, विकलांगता के झूठे प्रमाण-पत्रों से सुपात्रों के हक छीनने और झूठी जानकारी के चलते जन्म तारीख और जाति बदल कर ऐन-केन-प्रकारेण ऊंची नौकरी तक हथियाने की सच्चाई सामने आ चुकी है। पूजा खेडकर का ताजा मामला सामने है। ऐसे में लोग न्याय के लिए किसके पास जाएं? किससे उम्मीद करें?

कहने को तो सरकार ने कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। जनता से जुड़े अधिकारियों के मोबाइल नंबर तक सार्वजनिक हैं। लेकिन यह कितने उठते और सार्थक हैं सब जानते हैं। शासन-प्रशासन में जनता-जनार्दन को सुनने और निराकरण करने वालों को इन्द्रमणि त्रिपाठी से प्रेरणा लेना चाहिए। काश, यह घटनाक्रम एक नजीर के रूप में ब्यूरोक्रेसी की ट्रेनिंग में शामिल होता तो कितना अच्छा होता। बहरहाल अनजाने-अनचाहे ही सही, आईएएस त्रिपाठी के इस मर्मस्पर्शी व्यव्हार की प्रशंसा तो बनती है।

-ऋतुपर्ण दवे

पुलिस केस में समझौता नहीं किया तो मार दी गोली

टैक्सी ड्राइवर पर हमला करने के मामले में खुलासा, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

इंदौर (नगर संवाददाता)। अन्नपूर्णा इलाके में बुधवार को जिम से निकले टैक्सी चालक पर अज्ञात आरोपी ने गोली चला दी, जो उसकी गर्दन को छूकर निकली। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं मामले में पुलिस ने आरोपी की तलाश करते हुए गोलीकांड का खुलासा कर दिया। इसमें एक लड़के की पुलिस तलाश कर रही है। उसने ड्रायवर पर अपने पिता और चाचा के समझौता नही करने को लेकर गोली चलाई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया।

विज्ञान नगर में टैक्सी चलाने वाला अविनाश उर्फ पिंटू सेन कसरत करने के लिए जिम जाता है। बुधवार की सुबह वह जिम के बाहर निकला, तभी उस पर अज्ञात आरोपी ने गोली चला दी। गोली उसके गर्दन से छूते हुए निकल गई। इस घटना में वह बाल बाल बच गया। उसे उपचार के लिए तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटनरा की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी जोन 4 ऋषिकेश मीना ने आरोपी का पता लगाने के लिए एडिशनल डीसीपी आनंद यादव और एसीपी नंदनी शर्मा व शिवेंद्र जोशी के नेतृत्व में टीमें गठित की।

साढ़े चार सौ सीसीटीवी फुटेज खंगाले

गोलीकांड की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी तक पहंचने के लिए पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे करीब 450 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खगाले तो पता चला कि एक्टिवा सवार आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद चाणक्यपुरी चौराहे की तरफ भागा था। बाद में पुलिस ने लगातार फुटेज निकाले और उन फुटेज को फरियादी को दिखाया तो आरोपी की पहचान सदरबाजार क्षेत्र में रहने वाले शुक्ला बंधु के बेटे अथर्व शुक्ला के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने फरियादी से पूरा मामला समझा।

लाखों की धोखाधड़ी में दर्ज कराया था प्रकरण

टैक्सी चालक पिंटू ने वर्ष 2022 में 31 लाख की धोखाधड़ी के मामले में गोलू शुक्ला और मित्रानंद उर्फ मोंटू शुक्ला के खिलाफ केस दर्ज कराया था। नकली सोना देकर फरियादी से लाखों रूपए ऐंठ लिए गए थे, जब अविनाश सेन को पता चला की उसके साथ धोखाधड़ी हुई है तो उसने भवरकुंआ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

समझौते की चल रही थी बात

पुलिस को जांच में पता चला है कि लंबे समय से इस मामले में समझौते को लेकर दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही थी। पिंटू समझौत को तैयार नहीं हो रहा था। इस पर मित्रानंद शुक्ला के बेटे अथर्व ने उस पर गोली चला दी। पुलिस ने मामले आरोपी की तलाश करते हुए गोली मारने वाले अथर्व और उसके पिता मित्रानंद को गिरफ्तार कर लिया।

श्री राजेश कुमार राहंगडाले को विशेष उपाधि

इन्दौर, राष्ट्रीय जनभावना। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर द्वारा श्री राजेश कुमार राहंगडाले हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए को वाणिज्य संकाय के अंतर्गत ''मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित का वित्तीय निष्पादन-: विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन (वर्ष 2000 से 2018 के विशेष संदर्भ में)'' विषय में पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई है। यह शोधकार्य इन्होंने डॉ.डी.एन.पुरोहित (प्राध्यापक-वाणिज्य, श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर) के निर्देशन में पूर्ण किया। वर्तमान में राजेश शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा,बालाघाट में उच्च माध्यमिक शिक्षक (वाणिज्य) के रूप मे कार्यरत है। बधाईकर्ता -क्षत्रिय पंवार समाज एवं राहंगडाले परिवार।

कैमरे का खंबा तोड़ा, केस दर्ज

इंदौर। बायपास पर सेंटर बिंदु के पास हाईड्रोलिक क्रेन चालक ने पुलिस कैमरे लगा खंबा तोड़ दिया। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। शिप्रा पुलिस थाने में पुलिस रेडियो विभाग के थाना प्रभारी ने प्रकरण दर्ज करवाया है। मामला शिप्रा क्षेत्र के बायपास ब्रिज के नजदीक लगे सरकारी कैमरों का है। निरीक्षक रेडियो इंदल सिंह पंड़ितिया निवासी पीटीसी कैंपस मूसाखेड़ी की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया गया है।

युवती ने ट्रेन के सामने लगाई छलांग, मौत

इंदौर (नगर संवाददाता)। अपनी सहेलियो के साथ रह रही एक लड़की ने खुदकुशी कर ली। गुरूवार शाम उसने ट्रेन के समाने छलांग लगा दी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। वही परिवार को सूचना की गई है। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक घटना पंचवटी कॉलोनी की है। यहां पर रहने वाली 20 वर्षीय मंजू शाक्यवार ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। गुरूवार शाम पुलिस ने उसके पास मिली डायरी में नंबर डायल किया तो उसकी सहेली से बात हुई। जिसमें मंजू नाम से उसने शिनाख्त की। सहेली ने बताया कि वह रूम से नीचे उतरकर आई थी। उन्हें लगा 10 मिनट में आ जाएगी। लेकिन काफी देर तक मंजू नही दिखी तो उन्हें लगा कि आसपास कही गई होगी। मंजू का परिवार मूल रूप से ब्यावरा का रहने वाले है। पिता मिस्त्री से जुड़ा काम करते है। सहेलियों के मुताबिक वह इंदौर में जॉब के लिये पहुंची थी। 10 दिन पहले ही उनके पास रहने आई थी। पुलिस के मुताबिक मौके से सुसाइड नोट नही मिला है। रूम पर जाकर सुबह सुसाइड नोट को लेकर जांच की जाएगी।

बेटे से विवाद, मां को मारा चाकू रिश्तेदार पर पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

इंदौर। एक महिला के बेटे से रिश्तेदार विवाद कर रहा था, यह देखकर उसकी मां बीच बचाव के लिए पहुंची तो नौबत मारपीट तक पहुंच गई और रिश्तेदार ने महिला को चाकू मारकर घायल कर दिया। बाणगंगा पुलिस ने बताया कि 17 वर्षीय अनमोल पिता लुकस कुजूर निवासी भवानी नगर की शिकायत पर उसके रिश्तेदार दीपक तिग्गा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

फरियादी ने बताया कि आरोपी रिश्ते में उसका चाचा लगता है। वह मोहल्ले में गालियां देते हुए विवाद कर रहा था। उसने फरियादी के साथ भी मारपीट की थी, यह देखकर फरियादी की मां सोनमती उसे बचाने के लिए आई तो आरोपी दीपक ने हाथ में लिए हुए चाकू से

नगर निगम की कचरा फैलाने पर दुकानवालों पर कार्रवाई

पत्नी को पीटा, बेटी को जबरदस्ती ले जाने लगा, प्रकरण दर्ज

इंदौर (नगर संवाददाता)।

एक महिला ने अपने पति के खिलाफ मारपीट और जबरदस्ती बेटी को ले जाने के प्रयास करने के मामलों में केस दर्ज किया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। माममला हीरानगर इलाके का हद्दी। पुलिस के मुताबिक काजल कुशवाह निवासी मेघूदत नगर की शिकायत पर पुलिस ने राकेश कुशवाह पर केस दर्ज किया है। काजल ने पुलिस को बताया कि वह अपनी 4 साल की बेटी के साथ रहती है और यहां कुक का काम करके उसकी देखभाल करती है। पति आए दिन मारपीट करते और शराब पीकर घर आते थे जिसके चलते ढाई साल पहले उन्हें छोड़ दिया अलग रहने लगी। 16 सितंबर के दिन पति राकेश शराब के नशे में आए और बेटी को ले जाने के लिए जबरदस्ती करने लगे। रोका तो अपशब्द कहे। हाथ मुक्कों से मारपीट करते हुए डंडा उठाकर पीटा। इसके बाद बुधवार को पति अचानक फिर से घर आए। उन्होंने आते ही फिर से अपशब्द कहे और बेटी को गोद में उठा कर जबरदस्ती बाहर लाने की कोशिश की। शोर किया तो वह बाहर की तरफ गए। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करते हुए बाहर निकल गए। पीड़िता बाद में थाने पहुंची और पति पर केस दर्ज कराया है।

पालदा में तोड़े गए मकानों को लेकर कांग्रेसियों ने ज्ञापन दिया।

लाला गैंग का फरार इनामी आरोपी गिरफ्तार, 10 हजार का था इनाम

इंदौर (मनीष शर्मा)। ड्रग तस्करी के मामले में राजस्थान की लाला गैंग के फरार इनामी आरोपी को क्राइम डीसीपी राजेश त्रिपाठी के निर्देशन और एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मार्गदर्शन में इंदौर क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी पर10 हजार का इनाम घोषित था,इस पर कई अपराध पहले से पंजीबद है। मामले में जानकारी देते हुए एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर तंत्र से सूचना मिली कि थाना अपराध शाखा इंदौर में पंजीबद्ध अपराध धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में फरार एक शातिर बदमाश है, जो इंदौर शहर में घूम रहा है। मुखबिर की सूचना पर बताये स्थान से क्राइम ब्रांच टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घेराबंदी कर पकड़ा, जिससे नाम पता पुछने पर उसने अपना नाम मोईन लाला उर्फ बाबर लाला खान जिला प्रतापगढ़ जिला राजस्थान का बताया। आदतन आरोपी मोईन के एक साथी मनोज चौकसे निवासी इंदौर को 100 ग्राम ब्राउन शुगर ड्रग्स (10 लाख रू अंतरराष्ट्रीय कीमत) के साथ वर्ष 2022 में गिरफ्तार किया था जो अभी तक इंदौर जेल में निरुद्ध है। उक्त प्रकरण में शातिर व 10 हजार रू का ईनामी आरोपी मोईन लाला अपराध पंजीबद्ध होने की दिनांक से फरार चल रहा था, जिसे क्राईम ब्रांच इंदौर के द्वारा गिरफ्तार किया गया है, जिसके विरुद्ध विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

कार ने ली बुजुर्ग की जान

घर के समीप ही हुआ सडक हादसा

इंदौर (नगर संवाददाता)। कनाड़िया ब्रिज के पास एक सडक हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। बताया जाता है कि वह दो माह पहले ही सडक निर्माण कंपनी से रिटायर्ड हुए थे। शाम को वह दूध लेने गए।

वहां से वापस आते समय सडक क्रास करते समय कार ने उन्हें चपेट में ले लिया था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 62 वर्षीय भीलसिंह पिता शेरसिंह वास्कले निवासी टिगरीया राव को कार ने सडक क्रास करते समय बुधवार शाम करीब 6 बजे के लगभग टक्कर मार दी। उन्हें हाथ और पैरो में चोट आने के चलते उपचार के लिये एमवाय भेजा गया। यहां पर दो घंटे से बाद उनकी मौत हो गई। पोते रोशन ने बताया कि वह घर से आधा किलोमीटर की दूरी पर दूध लेने गए थे। यही से वह वापस आ रहे थे। वह हर शाम दूध लेने जाते थे। पुलिस ने मामला जांच में लिया है। भीलसिंह सड़क निर्माण कंपनी में कार्यरत थे। वह दो माह पहले ही इस कंपनी से रिटायर्ड हुए है। उनके परिवार में चार बेटे है। परिवार मूल रूप से राजपुर का रहने वाला है। वह अपने छोटे बेटे नैनसिंह के परिवार के साथ पत्नी बुंदी के साथ रहते थे। भीलसिहं को टक्कर मारने के बाद कार सवार को तेजी में भगाते हुए ले गया। लोगो का कहना था कि कार में युवक युवती बैठे थे। पुलिस रास्ते में चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने जब यहां कार रोकी तो उसमें से युवक युवती भाग गए। जिसमें कार चला रहे युवक को पुलिस ने पकड़ लिया।

कार ने रिक्शा को मारी टक्कर, चालक घायल

इंदौर (नगर संवाददाता)। कार चालक ने आटो रिक्शा को टक्कर मार दी। उसमें परिवार सवार था। हादसे में चालक घायल हो गया। खजराना पुलिस के मुताबिक हादसा नाहरशाह पेट्रोल पंप के सामने हुआ।

मामले में शादाब पिता नौशाद निवासी अशरफी कालोनी की रिपोर्ट पर कार नंबर एमपी 09 एलई 6700 के चालक पर केस दर्ज किया है। फरियादी ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ जा रहा था तभी आरोपी कार चालक ने तेज गति व लापरवाहीपूर्वक कार को चलाकर आटो रिक्शा को टक्कर मार दी। इससे चोट आई।

टक्कर से दो घायल

तेज गति से जा रही ने पहले बाइक सवार को टक्कर मारी फिर सामने से आ रही कार से जा टकराया। हादसे में दो लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक हादसा राऊ रोड पर परमाणु नगर के पास भारत पेट्रोल पंप के सामने हुआ। हेमंत पिता बसंत सिंह तोमर (49) निवासी द्वारकापुरी की रिपोर्ट पर वैन क्रमांक एमपी 09 वी 5861 के चालक पर केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि आरोपी वैन चालक ने लापरवाहीपूर्वक वैन को तेज र तार से चलाकर एक बाइक चालक को टक्कर मार दी फिर पेट्रोल पंप की तरफ तेजगति से आकर अपनी वैन को मोड़ कर मेरी कार को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मेरी कार के साइड में चल रहे बाइक सवार को भी चपेट में ले लिया। टक्कर मारने से मेरी कार सामने से पूरी तरह से डैमेज हो गई और एयर बलून खूल गया। टक्कर लगने से मेरे सिर और सीने में अंदरूनी चोट आई है। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक वहां से भाग गया। पुलिस ने बताया कि वैन नंबर के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

लापता मासूम का नहीं लगा सुराग, तलाश में एसडीआरएफ ने की नाले में सर्चिंग

परिजनों ने सूचना देने वाले को 1 लाख रूपए देने की बात कही

डेरों में भी तलाश के बाद खाली हाथ पुलिस

इंदौर (नगर संवाददाता)। 4 साल का मासूम बच्चा लापता होने के मामले में पुलिस ने उसकी जगह-जगह पर तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। सोशल मीडिया पर बच्चे की फोटो वायरल करते हुए उसकी तलाश की जाने लगी, लेकिन गुरुवार तक ब%चे की कोई जानकारी सामने नही आई। पुलिस ने एसडीआरएफ को बुलाकर नाले और आसपास के जंगल में सर्चिंग की है। वहीं पुलिस डेरों में भी बच्चे की तलाश करके आई है। बच्चे को लेकर शाजापुर में होने की बात पर कॉल भी किया गया, लेकिन वहां पर पुलिस ने संपर्क किया तो सफलता नही मिली। बच्चे के परिजनों ने सूचना देने वाले को 1 लाख रूपए देने की बात कही है।

मामला बाणगंगा थाना क्षेत्र के भागीरथपुरा इलाके का है। थाना प्रभारी लोकेश सिंह भदौरिया के मुताबिक 4 साल के किशु बागबान के मामले में अपरहण का केस दर्ज कर जांच की जा रही है। मामले में पुलिस ने गुरुवार सुबह एसडीआरएफ की टीम को बुलाकर सर्चिंग कराई। बताया जाता है कि जहां किशु अपने परिवार के साथ रहता है। वहां घर के पीछे बड़ा नाला है। पुलिस को शंका है कि वह खेलते हुए नाले तरफ चले गया हो। इसलिए टीम ने वहां सर्चिंग की। लेकिन वह नहीं मिला।

दूसरी तरफ पुलिस ने एक टीम बनाकर बच्चे की तलाश में आसपास के डेरों में तलाश भी शुरू की है। पुलिस के मुताबिक झांकी के चलते कई लोग बाहर से आकर यहां डेरों में रह रहे है। वही पास में मेला भी लगा है। इसके चलते ब%चे के अपहरण की संभावना जताई गई है। हालाकिं वहां से भी ब%चे को लेकर पुलिस को कोई क्लू नहीं मिला।

किशु बागबान मूल रूप से धार का रहने वाला है। अपने रिश्तेदार के इंदौर में माता पिता के साथ एक प्रोग्राम में आया था। सुबह प्रोग्राम के बाद वह दोपहर में खेल रहा था। ब%चे के पिता बैक में कार्यरत है। वह अपने माता पिता का इकलौता बेटा है। जानकारी के मुताबिक बच्चे के सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने को लेकर शाजापुर से कॉल आया कि उक्त जैसे हुलिए का ब%चा वहां देखा गया है। जब वहां पर स्थानीय पुलिस से संपर्क किया गया तो किशु के वहां नही होने की बात सामने आई है।

परिवार ने रखा 1 लाख का ईनाम

बाणगंगा पुलिस 24 घंटे से ज्यादा समय के बाद भी ब%चे को नही ढूंढ पाई है। पुलिस का भी जांच से भरोसा उठते जा रहा है। इधर बच्चे के पिता ने उसकी जानकारी देने या ढूंढकर लाने वाले को लेकर 1 लाख के ईनाम दिए जाने की बात कही है।

इंदौर नगर पालिक निगम, झोन क्र. 11 इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री प्रवीणकुमार जैन, मोबाइल नं. 7000928978 के द्वारा झोन क्रं. 11 राजस्व विभाग पर सर्विस क्र. 1001107590 पर आवेदन प्रस्तुत कर मकान नं. 13/1 नया, 3 छोटी ग्वालटोली एशियन टॉवर फ्लैट नं. एम-2 इंदौर म.प्र. के दर्ज नाम पर सम्पत्ति का नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक 20.09.24 से 07 (सात) दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त सम्पत्ति के नामान्तरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 11 (राजमाता सिंधिया स्टेडियम झोन) के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात व बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्र. 11, नगर पालिक निगम, इंदौर

इंदौर नगर पालिक निगम, झोन क्र. 4

जाहिर सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक (1) श्री कमलेश ओझा पिता श्री कृष्णकुमार ओझा, (2) श्रीमती राजकुमारी पति श्री कमलेशकुमार ओझा, (3) श्री सचिन ओझा पिता श्री कमलेश ओझा, (4) श्री अखिलेश विश्वकर्मा पिता श्री कमलेश विश्वकर्मा, के द्वारा झोन क्रं. 04 वार्ड 17 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री, वसीयतनामा, वारीस नाते प्रस्तुत कर सर्विस/पिन नम्बर 2000228235 पता 60 राजबाग कालोनी इंदौर पर नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक 20.09.24 से सात दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त सम्पत्ति के नामान्तरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 04 वार्ड 17 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात व बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी। यह सम्पत्ति पूर्व में (1) श्रीमती मीना साहू पति मोहन साहू, (2) रमन बक्षी पिता बलवीरचंद बक्षी के नाम पर दर्ज थी

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्र. 4, नगर पालिक निगम, इंदौर

रक्तदान शिविर में युवाओ ने किया 75 यूनिट ब्लड डोनेट

ईद मिलादुन्नबी के उपलक्ष्य में हुआ रक्तदान शिविर आयोजित हुआ

सुसनेर। आखरी पैगम्बर हजरत मुहम्मद साहब की याद मे सुसनेर मे ईद मिलादुन्नबी का पर्व पखवाड़े के रूप मे मनाया जा रहा है जिसमे विगत 15 एवं 16 सितंबर को देवबंद एवं भोपाल से आए ऊलेमाऔ के बयान सुसनेर के मंसुरी जमातखाने एवं मुंशी जी की बावड़ी पर हुए इसी तारतम्य में गुरुवार को नगर के मेना रोड स्थित सामुदायिक भवन के समीप जमीयत उलमाए हिन्द एवं मुस्लिम त्योहार कमेटी के सयुंक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे नगर के युवाओ ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया सुबह 11ः30 बजे से शुरू हुआ यह शिविर दोपहर 3ः30 बजे तक चला इस दोरान 75 यूनिट रक्तदान किया गया। जिला चिकित्सालय आगर मालवा कि टीम के डॉक्टर अजहर मुल्तानी, लेब टैकनिशीयन स्मिता चतुर्वेदी, अर्जुन बेरागी, हेमंत वैष्णव, अक्षय रावल काउंसलर, दिपक बर्डे, वार्ड बॉय राहुल मेघवाल ने रक्तदान करने आए युवाओ एवं समाजजन का रक्त लिया। इस दोरान यहां मोजूद जनप्रतिनिधियों के हाथो से जिला चिकित्सालय की टीम के द्वारा रक्त दाताओ को प्रशस्ति पत्र भी भेंट कराए गए। इस अवसर पर बडी संख्या में मुस्लिम समाजजन मोजूद रहे। जमीयत उलमाए हिन्द ओर मुस्लिम त्योहार कमेटी के सदस्यो ने बताया की सभी धर्मो मे किसी की जान बचाना बड़ा ही पुण्य का काम है। अक्सर देखने मे आता है की समय पर रक्त नही मिलने की वजह से कई लोगो कि जान चली जाती है। इसी को देखते हुए ईद मिलादुन्नबी के मोके पर ये रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है जिससे जरूरत पड़ने पर किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है।

नवरात्र महोत्सव के लिए मूर्तिकारो द्वारा तैयार की जा रही मां दुर्गा की प्रतिमाएं

प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जूटे कलाकार, 3 अक्टूबर से शुरू होंगे शारदीय नवरात्र

सुसनेर, राष्ट्रीय जनभावना। गणेश उत्सव के बाद अब नवरात्र की तैयारियां सुसनेर में शुरू हो गई है। नगर के कलाकार दुर्गा प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए है। इस वर्ष 3 अक्टूबर से शारदीय नवरात्र का पर्व शुरू हो रहा है। इसको लेकर कैलाश चौहान मूर्तिकार के द्वारा मातारानी की आकर्षक प्रतिमाएं तैयार की जा रही है। इस कार्य में इनका पूरा परिवार लगा हुआ है। गौरतलब है कि इनकी बनाई मूर्तियां मध्यप्रदेश के अलावा राजस्थान में भी फेमस है। नवरात्र में माँ दुर्गा की घट स्थापना के लिये श्रद्धालु इन्हें खरीदने के लिये दूर-दूर से सुसनेर पहुंचते है। नगर की कुम्हार गली में मूर्तिकारो के द्वार मां दुर्गा की प्रतिमाएं तैयार की जा रही है। यहां पर मूर्तिकार कैलाश चोहान का पूरा परिवार मातारानी की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जूटा हुआ है। मूर्तिकार दीपक चोहान के अनुसार मंहगाई के चलते मातारानी की मूर्तियो के भी दाम बढ गए है। हालाकि इस वर्ष शारदीय नवरात्र 3 अक्टूबर से शुरू होंगे लेकिन मूर्तिकारो द्वारो अपनी आस्था को अंतिम रूप दिये जाने का कार्य जोर शोर से किया जा रहा है। मूर्तिकार अपनी मेहनत से मूर्ति को ऐसा रूप देने में जुटे हैं मानो वह मूर्ति न होकर साक्षात मां देवी हों।

सालों से बना रहे प्रतिमाएं, पहली बार कोरोनकाल में देखी थी तंगी

नगर की कुम्हार गली में कैलाश मुर्तिकार करीब 23 सालों से मां दुर्गा की प्रतिमाएं बना रहे है, लेकिन कोरोना काल में पहली बार ऐसी तंगी देखी थी। तब गणेशोत्सव व नवरात्र में भी शासन ने बडे पंडालो में गणेश प्रतिमाएं स्थापित करने से मना कर दिया था। इस वजह से प्रतिमाएं नहीं बिकी और काफी नुकसान हुआ। वर्ष 2020 से लेकर अभी तक कैलाश के परिवार की तीसरी पीढी भी मूर्तियां बनाने का कार्य कर रही है। घर का हर छोटा बडा सदस्य मूर्तियां बनाने में लगा हुआ है।

राजस्थान में भी रहती है इन प्रतिमाओं की मांग

विरासत में मिली कला से शहर के मूर्तिकार कैलाश के बेटे दीपक चोहान भी अपने हुनर से प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जूटे हुएं है। जैसे जैसे शारदीय नवरात्र का पर्व नजदीक आता है जा रहा है वैसे ही इनके हाथों से बनाए जाने वाली प्रतिमाओं की डिमांड भी बढती जा रही है। यही कारण है कि सुसनेर में बनाई जा रही दुर्गा प्रतिमाओं की मांग मध्यप्रदेश और राजस्थान के साथ ही वैष्णोदेवी तक रहती है। नगर की कुम्हार गली में रहने वाले कैलाश मूर्तिकार ने अपने बेटे दीपक चौहान और अजय चौहान के हाथों में ऐसा हुनर थमा दिया है जिससे उनके परिवार का भरण पोषण चल रहा है। इनके पास हर वैरायटी की प्रतिमाएं मौजूद है। आने वाली 3 अक्टूबर को शहर की इन प्रतिमाओं से ही नवदुर्गा उत्सव समितियों के द्वारा विधिविधान से शुभमुहर्त में घटस्थापना की जाकर 9 दिनों तक भक्तो द्वारा मातारानी की आराधना की जाएगी।

श्राद्ध पक्ष में साधु संतों व सेनिको की आत्मशांति के लिये मठ में किया सुंदरकांड पाठ का आयोजन

सुसनेर, राष्ट्रीय जनभावना। बुधवार से श्राध्द पक्ष शुरू हो गए है जिसमे श्रद्धलुओं के द्वारा अपने पितरो की आत्म शांति हेतु विभिन्न तरह के धार्मिक आयोजन किये जा रहे है। इसी कड़ी में रात्रि में आगर जिले के सुसनेर में कंठाल नदी के तट पर स्थित खेड़ापति हनुमान मठ मंदिर में देश के साधु संतों व दिवगंत सैनिको की आत्मशान्ती के लिए संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान हनुमान जी का चोला चढ़ाकर के आकर्षक श्रृंगार भी किया गया। सुंदरकांड के समापन अवसर

सदस्यता के लक्ष्य को पूरा करना प्रत्येक कार्यकर्ता का लक्ष्य हो : विनोद गोटिया

भाजपा के सदस्यता अभियान की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित, भाजयुमो द्वारा लगाया रक्तदान शिविर

शाजापु,र, राष्ट्रीय जनभावना। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक दल है जिनके परिश्रम से श्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री डॉ मोहन यादव एवं अन्य राज्यों में सरकार के रूप में नेतृत्व करते हुए आज विकसित भारत और समृद्ध भारत की कल्पना और संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

यह बात मप्र पर्यटन विकास निगम के पूर्व चेयरमैन एवं सदस्यता अभियान के संभाग प्रभारी विनोद गोटिया ने कही। वे गुरुवार को शाजापुर जिला कार्यालय पर आयोजित सदस्यता अभियान के निमित्त प्रमुख कार्यकर्ताओ की बैठक एवं भाजयुमो द्वारा सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित रक्तदान शिविर को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा यह सदस्यता वर्ष 2047 के लिए श्री मोदी जी के संकल्प विकसित भारत को विश्व गुरु पर स्थापित करने के लिए एवं सत्ता और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए चलाया जा रहा है। हम सब कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए सदस्यता अभियान को आगे बढ़ने का काम करेंगे। सदस्यता लक्ष्य को पूरा करना प्रत्येक कार्यकर्ता का लक्ष्य होना चाहिए और बूथ पर हमारी शक्ति को बड़े इसके लिए हर समाज के घर-घर जाकर लोगों को भाजपा का प्राथमिक सदस्य बनना और संगठन की विचारधारा से जोड़ना यह हम सब का कर्तव्य होना चाहिए। सदस्यता अभियान ही हमारा मुख्य आधार है भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के परिश्रम और पराकाष्ठा के साथ विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनकर खड़ी है यह वट वृक्ष आगे बढ़ता रहे और हर बूथ पर 200 से अधिक सदस्य बनना इस संकल्प को लेकर कार्यकर्ता जुड़ेंगे तो निश्चित ही हमारी ताकत बढ़ेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए कार्यकर्ता अपना परिश्रम करते हुए जिले के लक्ष्य को पूर्ण करेंगे जब जिले का लक्ष्य होगा तब प्रदेश का होगा प्रदेश का होगा तब केंद्र संगठन का होगा इसके लिए हम 200 से अधिक सदस्य बनाने का संकल्प लेकर सदस्यता लक्ष्य को आगे बढ़ते हुए हर समाज के लोगों को भाजपा की प्राथमिक सदस्य से जुड़े उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संकल्प है कि युवा किसान महिलाएं गरीब जिनके विकास के लिए भारत सरकार योजना बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर विकास की दिशा से जुड़ेगी। शाजापुर विधायक अरुण भीमावद ने संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता भाजपा की केंद्र राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थी हितग्राहियों को भी हम भाजपा का प्राथमिक सदस्य बना कर उनका सम्मान करें। उन्होंने कहा की 18 वर्ष के युवाओं को भी हम सबसे अधिक पार्टी की प्राथमिक सदस्यता बनाकर युवाओं को भाजपा की विचारधारा से जोड़ना यह हम सब कार्यकर्ताओं का संकल्प होना चाहिए। क्योंकि युवा ही हमारी आने वाली पीढ़ी इस देश के नव निर्माण में सहायक होगी। बैठक का शुभारंभ भारत माता एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्रों पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रेम जैन, जिला उपाध्यक्ष गोपाल राजपूत, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी भी मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री दिनेश शर्मा ने किया तथा आभार भाजयुमो जिलाध्यक्ष श्याम टेलर ने माना। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजयुमो ने लगाया रक्तदान शिविर

भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस 17 सितंबर से महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला शाजापुर द्वारा जिला कार्यालय पर रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया जिसमें पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया।

किसानों का जल सत्याग्रह: खेत पर जाने का रास्ता नहीं

रतलाम।

जिले के हतनारा गांव के किसानों ने बुधवार को जल सत्याग्रह पर बैठ गए। किसानों का कहना है कि उनके खेतों में जाने का रास्ता नहीं है। इस कारण फसल बर्बाद हो जाएगी। पूर्व में कई बार जिला प्रशासन को अवगत करा चुके है। लेकिन, किसी ने ध्यान नहीं दिया।

हतनारा गांव रतलाम से करीब 18 किमी दूर खाचरौद रोड पर है। गांव के बीच कुड़ेल नदी है। नदीं के पास गांव के करीब 200 से अधिक किसानों के 1800 से 2 हजार बीघा जमीन है। बारिश के कारण खेतों में जाने का रास्ता नहीं बचा है। बीच में नदी आती है, जिसे पार कर जाना पड़ता है। नदी में अभी पानी है। बहाव भी

है। गांव से निकल रहे रास्ते पर पैदल चलना मुश्किल हो गया है। ट्रैक्टर से लेकर पशु को भी नहीं ले जा सकते। खेती नदी के पार है। ज्यादा समस्या बारिश में आती है।

पानी में किसानों के बैठने की जानकारी मिलने पर रतलाम जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ निर्दशक शर्मा भी पहुंचे। बांगरोद पुलिस चौकी प्रभारी आनंद बागवान समेत पुलिस कर्मी पहुंचे। अतिरिक्त सीईओ ने ग्रामीणों से चर्चा से की। ग्रामीण विधायक मथुरलाल डामर से भी चर्चा कराई। लेकिन ग्रामीण मानने के लिए तैयार नहीं थे। उनका कहना था कि कलेक्टर आएंगे तभी हम यहां से उठेंगे।

हर बारिश में आती है समस्या

ग्रामीण समरथ पाटीदार ने बताया- पहले भी कई बार रास्ते को लेकर ग्राम पंचायत से लेकर जिला प्रशासन को आवेदन दे चुके हैं। लेकिन, कोई ध्यान नहीं देता। हर बार बारिश में समस्या आती है।

चर्चा कर समाधान निकालेंगे

अतिरिक्त सीईओ शर्मा ने बताया किसानों की मांग सुनी है। वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर समस्या का हल किया जाएगा।

विश्व के सबसे बड़े गो अभयारण में हुआ मोहित जैन सिंघई धर्म प्रभावक का सम्मान

सुसनेर विश्व के प्रथम एवं सबसे बड़े गो अभ्यारण सालरिया सुसनेर में गोपालाचार्य स्वामी श्री गोपालानंद सरस्वती जी महाराज के आशीर्वाद एवं सानिध्य में एक विशाल समारोह आयोजित कर प्रमुख प्रमुख गौ सेवा निस्वार्थ तन मन धन से करने वाले गो सेवको का सम्मान गो अभ्यारण सालरिया स्थित मंच पर हजारों की संख्या की उपस्थिति में किया गया। सम्मान की इस श्रृंखला में चलते हुए सुसनेर नगर की तन मन धन से बड़ा जैन मंदिर गौ सेवा समिति को भी आमंत्रित कर सिंघाई मोहित जैन (धर्म प्रभावक) मोहित जैन आधार के साथ साथ उनके बहुत सारे कार्यकर्ताओं को भी सम्मान किया गया इस सम्मान पर खुशी जाहिर करते हुए क्षेत्र के समस्त राजनेताओं सामाजिक कार्यकर्ताओं नगर की जनता एवं सभी पत्रकार गणों द्वारा इनको बहुत-बहुत बधाई दी गई और उनकी गौ सेवा की निस्वार्थ भाव से सेवा करने की सराहना की और उनके पूरी समिति की उज्जवल भविष्य की कामना की ।

डग-जीरापुर नेशनल हाइवें पर सुसनेर में बनेगा 8 किमी का 'बायपास'

एनएच ने तैयार किये 3 विकल्प, एक का चयन करने प्रशासन ने ली जनप्रतिनिधियों की बैठक

राकेश बिकुन्दिया, सुसनेर। शहर से दो राष्ट्रीय राजमार्ग गुजर रहे है। एक तो है उज्जैन-झालावाड राष्ट्रीय राजमार्ग 552 जी तो दूसरा डग-जीरापुर राष्ट्रीय राजमार्ग 752 बी। दूसरे वाले राष्ट्रीय राजमार्ग यानी के डग-जीरापुर नेशनल हाइवें को नगरीय सीमा से जोडने के अलावा बायपास का निर्माण भी किया जाएगा। इसको लेकर एनएच के द्वारा तैयारियां की जा रही है। इसको लेकर प्रशासन भी गंभीर नजर आ रहा है। नेशनल हाइवें पर बायपास का निर्माण करने के लिए एनएच के द्वारा तकनीकी संसाधनो के जरीए नक्शा तैयार कर 3 विकल्प तैयार किए गए है। नक्शे के अनुसार पहले विकल्प में 7ि कलोमीटर से भी अधिक की दूरी दर्शाई गई है। जिसमें बायपास जीरापुर रोड स्थित पेट्रोल पम्प के समीप से शुरू होकर ग्राम जामुनिया व उज्जैन-झालावाड हाइवे पर स्थित मोरूखेडी जोड को क्रॉस करता हुआ उमरीया जोड पर समाप्त हो रहा है। दूसरे विकल्प में बायपास की दूरी 6 किलामीटर से भी अधिक है। जिसमें जीरापुर रोड स्थित पेट्रोल पम्प से बायपास की शुरूआत की जाकर पदमावती होटल के समीप से उज्जैन-झालावाड नेशनल हाइवे को क्रॉस करते हुएं शहर के बाहरी हिस्से से होकर इसका समापन उमरीया जोड पर किया जा रहा है। तीसरे विकल्प में पूरी जानकारी पहले वालों वकल्प की तरह ही है लेकिन इसकी शुरूआत पेट्रोल पम्प से भी आगे यानी के ग्राम कायरा के आसपास से की गई है। इस वजह से इसकी दूरी 8 किलोमीटर के लगभग रहेगी। इसका समापन भी उमरीया जोड पर होगा। हाइवें के अधिकारी यूके क्यूरी के अनुसार तीसरे विकल्प को लेकर सहमति बनी है इसकी डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी जाएगी। स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू किया जा सकेगा।

प्रशासन ने ली जनप्रतिनिधियों की बैठक

एनएच के द्वारा तैयार किए गए तीन विकल्पो का चयन करने हेतु क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के सुझाव लेने हेतु बुधवार को तहसील रोड पर स्थित जनपद पंचायत के सभाकक्ष में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें एनएच के कार्यपालन यंत्री विजय सिंह व इंजीनियर के द्वारा प्रोजेक्टर से हाइवे के बायपास की कार्ययोजना को समझाया गया। इस दौरान सुसनेर एसडीएम मिलिंद ढोके, जनपद सीईओ राजेश शाक्य, नप सीएमओ ओपी नागर व क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण मोजूद रहे।

तीसरे विकल्प पर बनी सहमति

बुधवार को जनपद पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित बैठक में जनप्रतनिधियों के साथ चर्चा के बाद सुसनेर बायपास के लिए एलाइमेंट प्लान नम्बर 3 जो की नक्शे में काले रंग से दर्शाया गया है पर सहमति बनी है। जिसकी दूरी 8 किलोमीटर के लगभग है। जो की जीरापुर रोड पर पेट्रोल पम्प के आग से शुरू होकर उमरीया जोड पर समाप्त हो रहा है। बैठक में आर्थो इंजीनियरिंग गांधी नगर गुजरात द्वारा सुसनेर बायपास निर्माण के 3 विकल्प प्रस्तुत किये गए थे सभी पर चर्चा के बाद आम सहमति से विकल्प नम्बर तीन पर स्वीकृति प्रदान की गई है।

फोटो- 19 सुसनेर 1 एनएच के

मेरा कॉलम

भारतीय ट्राफिक व्यवस्था

अरे भइया, हैदराबाद का ट्रैफिक समझो किसी महान पौराणिक कथा से कम नहीं है। मानो कोई महाभारत का युद्ध हो, जहाँ हर योद्धा अपनी गाड़ी लिए सड़कों पर उतर आया है। और हमारे यातायात मंत्रीजी कहते हैं, ÷देखिए, हमारे ट्रैफिक में कितनी प्रगति हो रही है!÷ अब मंत्रीजी से कोई पूछे, भला ये कैसी प्रगति है? यहाँ गाड़ियाँ तो खड़ी रहती हैं, लेकिन प्रगति हमारे खून के दबाव और तनाव में हो रही है। बंजारा हिल्स से लेकर चारमीनार तक जाना, ऐसा लगता है मानो तीर्थ यात्रा पर निकले हों। गाड़ी चलाने वाला बेचारा भक्त और ट्रैफिक सिग्नल भगवान की तरह, जो जब चाहे आशीर्वाद दे दे कि चलो, अब आगे बढ़ सकते हो।अब ट्रैफिक की प्रगति का यही हाल है कि दिन भर चक्कर काटते रहो और कहीं पहुँचने की उम्मीद करना भूल जाओ। सिग्नल पर गाड़ी रोककर, तुम सिर्फ यह सोच सकते हो कि तुम्हारी जिंदगी ने कितनी प्रगति की है–बचपन से अब तक की यात्रा का सारा निचोड़ वहीं बैठकर निकाल लो। और जब ग्रीन लाइट मिलती है, तो लगता है जैसे भगवान का वरदान मिला हो। वैसे भी, हमारे देश में ट्रैफिक का सिस्टम है ही ऐसा कि सड़क पर चलने वाला हर इंसान कुछ नया सीखता है। जैसे कि धैर्य, सहनशीलता, और दूसरों की गलतियों को माफ़ करने की कला।

अब देखो, जब ट्रैफिक नहीं था, तब जीवन भी सरल था। लोग पैदल चलते थे, बिना किसी जल्दबाजी के। अब गाड़ियाँ हैं, तो सबको जल्दी है, मगर मंजिल पर पहुँचना वही पुराना सपना है। तब भी हम परेशान थे, अब भी हैं। पहले बस पैदल चलने से पसीने छूटते थे, अब गाड़ी में बैठे-बैठे मानसिक पसीना छूटता है। पहले ट्रैफिक की समस्या नहीं थी, परंतु पहुँचने का कोई भरोसा भी नहीं था। अब ट्रैफिक है, और पहुँचने का तो भगवान ही मालिक है। ट्रैफिक का अनुभव एकदम किसी संग्राम से कम नहीं होता। हर दिशा से गाड़ियाँ ऐसे दौड़ती हैं जैसे कोई युद्ध रथ हो। स्कूटर वाला हो, कार वाला हो, या फिर बस ड्राइवर–सबको बस एक ही मंजिल दिखती है, आगे निकलना। बस ड्राइवर तो ऐसे गाड़ी चलाता है जैसे मानो किसी हॉलीवुड फ़िल्म की शूटिंग हो रही हो, ÷फास्ट एंड फ्यूरियस÷ का कोई नया पार्ट तैयार हो रहा हो। और स्कूटर वाले, भगवान माफ करे, वो तो जैसे भीड़ में पानी की तरह बहते रहते हैं, बिना देखे बिना सोचे। अबे भाई, एक बार इधर भी देख लो, कहीं से कोई ट्रक आकर तुझे साइड न कर दे! पर नहीं, उनका काम तो है बस भागना, जैसे जिन्दगी की दौड़ यही ट्रैफिक के जाम में जीतनी हो।

एक दिन तुमने सोचा कि चलो, ससुराल चलते हैं। वहाँ जाकर आराम मिलेगा, बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा, और हो सकता है कि खाना भी अच्छा मिल जाए। लेकिन ये ससुराल पहुँचना कोई आसान काम नहीं है। तुमने महीनों पहले गाड़ी का मेंटेनेंस कराया, सही वक्त पर निकले, पर ट्रैफिक सिग्नल पर आकर सब उम्मीदें खत्म हो जाती हैं। सिग्नल का रंग लाल होते ही दिल में आग लग जाती है। और हरा होते ही वो आग बुझने के बजाय और धधक उठती है क्योंकि अगला सिग्नल दो मिनट की दूरी पर फिर से लाल हो जाता है। ये ट्रैफिक सिस्टम भी एकदम ससुराल जैसा है, बड़े आराम से मंजिल पर पहुँचने का सपना दिखाता है, लेकिन छोटा-छोटा आराम मिलता है, जैसे चाय का कप या चुटकी भर नमक!

ट्रैफिक में फंसे हुए आदमी की दशा वही होती है जैसे कोई शादीशुदा आदमी ब्यूटी पार्लर के बाहर इंतजार कर रहा हो। अंदर जाने का ना टाइम, ना हिम्मत। और अगर तुम्हारे पास आरक्षण नहीं है, तो समझो तुम्हारी किस्मत भगवान भरोसे है। अब मान लो कि तुम बिना आरक्षण के किसी ट्रेन में चढ़ गए हो, और ट्रेन में भीड़, धक्का-मुक्की, गाली-गलौज सबका सामना कर रहे हो। ट्रैफिक में भी वैसा ही है। ट्रैफिक पुलिसवाला एकदम टीटी की तरह, बीच सड़क पर खड़ा होकर इशारे करता रहता है। कभी-कभी लगता है कि वह सिर्फ दिखाने के लिए है। असली ताकत तो गाड़ियों की उस भीड़ में है, जो अपनी मर्जी से चलती हैं। अब एक और मजेदार बात सुनो। ट्रैफिक में फंसे आदमी दर्शन अद्भुत होता है। जैसे मनीषियों ने कहा था कि जीवन की अंतिम यात्रा में इंसान खाली हाथ जाता है, वैसे ही ट्रैफिक में भी आदमी धीरे-धीरे सब कुछ छोड़ने लगता है–अपनी उम्मीदें, अपनी शांति, और अंत में अपनी गाड़ी के हार्न की आवाज़ भी। जब आप एक जगह फंसे होते हो, तो सोचने लगते हो, ÷अरे, क्या यही है मेरी जिंदगी? इस ट्रैफिक से बाहर निकलना क्या कभी संभव है?÷ और जब गाड़ी थोड़ा-सा आगे बढ़ती है, तो लगता है कि जैसे नया जीवन मिला हो।

भारतीय ट्रैफिक हमें बहुत कुछ सिखाता है। धैर्य की पराकाष्ठा से लेकर सहनशीलता की हद तक, ट्रैफिक में फंसा व्यक्ति हर नई परिस्थिति का सामना करता है। आधी रात को जब ट्रैफिक की भीड़ थोड़ी कम हो जाती है, तब अचानक मन में ख्याल आता है कि अब तो निकल ही जाएंगे। पर नहीं, जैसे ही एक मोड़ पार करते हो, अगला सिग्नल फिर से लाल। इस ट्रैफिक में आदमी की जिन्दगी का सारा तेल निकल जाता है। ट्रैफिक में अक्सर लोगों के बीच अनजाना रिश्ता बन जाता है। पास बैठा व्यक्ति, जो गाड़ी की सीट पर नींद में ऊंघ रहा होता है, अचानक आपका सबसे करीबी दोस्त बन जाता है। उसकी ऊंघती हुई आँखें जब आपके कंधे पर टिक जाती हैं, तो आपको एहसास होता है कि निकटता क्या होती है। यही तो है अपने ट्रैफिक का असली मजा–लोगों को करीब लाना। भले ही वो अजनबी हो, पर ट्रैफिक में वो आपका साथी बन जाता है। तो भइया, ट्रैफिक में जो भी सफर कर रहा है, वह इस देश की प्रगति का हिस्सा है। यह ट्रैफिक हमें सिखाता है कि प्रगति सिर्फ आगे बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि कभी-कभी रुक कर सोचने का भी नाम है।

प्रनल का राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में हुआ चयन

जावरा । गत दिनों उज्जैन में आयोजित हुई संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में सेंट पीटर स्कुल की कक्षा 9 वीं की छात्रा प्रनल व्यास द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन किया गया। छात्रा प्रनल व्यास नर्मदापूरम होशंगाबाद में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता करेगी। मालुम हो कि पूर्व में छात्रा प्रनल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता कर चुकी है। छात्रा की इस उपलब्धि पर स्कुल प्रबंधन के साथ इष्टमित्रों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खाचरौद की होनहार बिटिया चारु छाजेड़ ने अरविंदो मेडिकल कॉलेज इंदौर से फिजियोथेरेपी डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। डॉ. चारू का जगह-जगह स्वागत एवं सम्मान किया गया।

प्रस्तुति - ऋतुराज बुड़ावनवाला, खाचरौद (उज्जैन)

गोबर व फूलो में जीवित है लोक संस्कृति परंपरा

जावरा।

श्राद्ध पक्ष प्रारंभ होने के बाद अब अंचल में संजा के गीत गुंजना शुरू हो गए है। हालांकि, आधुनिकता के इस दौर में शहरों में सांस्कृतिक परंपरा विलुप्त होती जा रही है लेकिन अंचल में आज भी इस परंपरा का निर्वहन नन्हीं बालिकाओं द्वारा उत्साहपूर्वक किया जा रहा है।

तहसील मुख्यालय सहित अंचलो के अनेक स्थानों पर इस परंपरा का श्रद्धा के साथ निर्वहन किया जा रहा है। पूर्णिमा से लेकर अमावस्या तक प्रतिदिन घर के दरवाजे के समीप दीवार पर कुंवारी कन्याएँ गोबर, फूलों, पन्नी, सितारों आदि से संजा मांड (बना) रही है। लोक मान्यता अनुसार माना जाता है कि संजा वह बेटी जो सोलह दिनों के श्राद्ध पक्ष में अपने पिहर (मायके) आती है। ऐसे में संजा को कुंवारी कन्याएँ सहेली के रूप में सजाती है और संजा के माध्यम से ही उनके मन के भाव प्रकट होते है।

गूंज रहे है संजा के गीत

सांझ ढलने के पूर्व ही संजा की सहेलियां विशेष तौर पर अपने कार्यो से निवृत हो जाती है तथा अपनी सहेली को सजाने की तैयारियों में जुट जाती है। कुंवारी कन्याएँ आरती के पूर्व संजा के गीत गाती है। इसमें संजा तू तारा घर जा कि थारी बई मारेगाकुटेगा.... मैं फूल ले के सड़क पे खड़ी मुझे बताला दे कोई संजा की गली... छोटी सा गाड़ी लुड़कती जाए, उसमें बैठी संजाबाई आदि गीत शामिल है। आखरी में संजा की आरती उतारकर प्रसादी का वितरण किया जाता है।

12 दिन बनती है आकृतियां

संजा पर्व के दौरान पूर्णिमा के दिन पाटला (रोटी बेलने का चकला) की आकृति बनाई जाती है। एकम के दिन केल या एक तारा, दूज के दिन बिजोला यानी कलश के ऊपर रखने का पात्र, तीज के दिन तराजू, चौथ के दिन चौपड़ या चांद, पंचमी के दिन पांच कुंवारे, छठ के दिन छाबड़ी यानी फूलो की टोकरी, सप्तमी के दिन स्वास्तिक, आठम के दिन आठ पंखुड़ियों का फूल या आठ सितारे, नवमीं के दिन नौ डोकराडोकरी, दशमी के दिन पंखा और एकादशी के दिन किलाकोट बनाते है। इन आकृतियों को कन्याएँ चांदसूरज, बैलगाड़ी, चिड़िया, मोर, हाथी, घोड़े आदि की आकृतियों से सजाती है। सोहलवे दिन यानी अमावस्या के

सोलह दिनों की संजा को एकत्र कर जल में प्रवाहित किया जाता है। इस दिन कन्याएँ अच्छे ससुराल की कामना में उपवास रखती है। जिन कन्याओं का विवाह हो जाता है वे अपने पीहर में एक संजा बनाती है जो वर्षभर दीवार पर सहेज कर रखी जाती है। अगले वर्ष श्राद्ध पक्ष के अंतिम दिन अमावस्या को उसका विसर्जन किया जाता है।

युवतियों को करना चाहिए आयोजन

विगत वर्षो से श्राद्धपक्ष में संजा बनाने का कार्य करने वाली सीमा का कहना है कि अब संजा गीतों के दौरान वह रोनक नजर नही आती है जो दो दशक पहले दिखाई देती थी। अब गलीमोहल्लो की ही 810 बालिकाएं संजा बनाकर गीत गाती है। जबकि पहले यह संख्या आधा सैकड़ा पार हो जाती थी। सीमा ने बताया कि संजा केवल पर्व न होकर भीतीकला व लोकगीतों के समावेशों की अनुठी परंपरा है। युवतियों को इस पर्व की महत्ता जानते हुए इसे संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से अधिकाधिक स्थानों पर इसका आयोजन करना चाहिए। जिस तरह से कुछ पारंपरिक पर्वो से युवा पीढ़ी ने दूरी बनाकर उन्हे बिसरा दिया है। इसी प्रकार संजा गीत को आगामी कुछ ही दशकों में गुनगुनाने वाला कोई नजर नही आएगा।

नया मालीपूरा में हो रहे आयोजन

संजा माता की आरती व गीत प्रतिदिन नया मालीपुरा में युवतियां कर रही है। प्रगति, पायल, अंजली, दीपिका, परी, अनीता, नंदिनी, कशीश, निती, इशीका आदि ने संजा गीत गाकर आरती कर रही है।

स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता थीम पर हुए विभिन्न आयोजन

जावरा।

भारत सरकार द्वारा संचालित स्वच्छता ही सेवा राष्ट्रव्यापी अभियान स्वभाव स्वच्छता–संस्कार स्वच्छता थीम पर शासन निर्देशानुसार नगर के जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों के सक्रिय सहयोग से वहृद स्तर पर सफाई अभियान के साथ जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही है।

इसी क्रम में नपाध्यक्ष अनम-मोहम्मद युसुफ कड़पा, नपा उपाध्यक्ष सुशील कोचट्टा, सीएमओं दुर्गा बामनिया, सभापति स्वच्छता विभाग यास्मीन-इमरान कबाड़ी के नेतृत्व में गुरूवार को सरस्वती पूरम पहाडिया रोड विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत 51 पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान स्कुल के छात्र-छात्राओं द्वारा मानव श्रृंखला बनाई गई। स्वच्छता ही सेवा के बारे में छात्र-छात्राओं के मध्य स्वच्छता संवाद का आयोजन कर स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। साथ ही कमला नेहरू स्कुल मच्छी भवन पर भी छात्र- छात्राओं द्वारा मानव श्रृंखला का आयोजन किया। हाथी खाना टंकी रोड़ पर जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की सहभागिता से स्वच्छता सफाई श्रमदान का विशेष आयोजन किया गया। साथ ही उपस्थितजनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर नपा उपाध्यक्ष सुशील कोचट्टा, प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक लोकेशकुमार विजय, अध्यापिका वर्षा श्रौत्रिय, सामुदायिक संगठिका रितु सोनी, प्रभारी लिपिक दशरथ चौहान, एनजीओ क्लीन इंडिया प्रोजेक्टर अदनान खान व टीम के सदस्यों के साथ अन्य जनप्रतिनिधि, नागरिक, स्कुल के छात्र-छात्राओ सहित अध्यापक व नपा कर्मचारी मौजूद थे।

श्रीसंघ की दो दिवसीय क्षमा याचना यात्रा संपन्न-

जावरा । श्री जयंतसेन अनुयाई की त्रिस्तुतिक श्रीसंघ की पर्वाधिराज पर्युषण के बाद मालवा अंचल में विराजित साधु साध्वी भगवंतों से क्षमा याचना करने के लिए श्रीसंघ अध्यक्ष विजय आंचलिया के नेतृत्व में श्रीसंघ सदस्य उज्जैन, इंदौर, धार, मेघनगर, नारायणगढ़ आदि स्थानों पर विराजित साध्वी भगवंतो के दर्शन वंदन कर उनसे क्षमायाचना करने पहुंचे। श्रीसंघ मिडिया प्रभारी अरविंद जैन, अतुल सुराणा ने बताया श्रीसंघ सदस्यों द्वारा मोहनखेड़ा तीर्थ पर विश्व पूज्य गुरुदेव के समाधि मंदिर के दर्शन का लाभ भी लिया। दो दिवसीय यात्रा में परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र पोखरना, महिला परिषद प्रांतीय अध्यक्ष सारिका कोलन के साथ श्रीसंघ सदस्य शामिल थे।

43 वीं पुण्यतिथि पर 8 दिवसीय श्रीमद भागवत कथा प्रारंभ

कालुखेड़ा । श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर कुटिया कालुखेड़ा पर श्री पशुपति महादेव मंदसौर के प्रतिष्ठाता पं. ब्रह्मलीन स्वामी प्रत्क्षानंद महाराज की 43 वीं पुण्यतिथि पर संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन 18 से 25 सितंबर तक स्वामी चेतन्यानंद महाराज नर्मदा तट की प्रेरणा से किया गया। भागवत प्रवक्ता स्वामी सनिष्ठानंद महाराज पंजाब कैलाश आश्रम ऋषिकेश के मुखारविंद से प्रतिदिन सांय 7 से 9.30 बजे तक कथा श्रवण करवाई जा रही है। चैतन्य सत्संग मंडल कुटिया एवं समस्त ग्रामवासी कालुखेड़ा ने भक्तगणों से श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर कुटिया कालुखेड़ा में आयोजित कथा में शामिल होकर धर्मलाभ लेने की अपील की।

राहुल गांधी पर अभद्र टिप्पणी करने वालों पर हो कार्रवाई

जावरा।

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवारी के आव्हान पर कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव रिजवान पठान द्वारा वरिष्ठ नेता वरुण श्रोत्रिय एडवोकेट की उपस्थिति में केंद्रीय मंत्री रवनीतसिंह बिट्टू, उत्तर प्रदेश के मंत्री रघुराजसिंह एवं महाराष्ट्र शिवसेना विधायक संजय गायकवाड ने विपक्ष के नेता एवं सांसद राहुल गांधी पर जो आपत्तिजनक टिप्पणी की उसका विरोध दर्ज कराते हुए एक आवेदन शहर थाना प्रभारी को दिया। इस दौरान विनोद मेहता, मोहन सैनी, पेपा पहलवान, अजय श्रीवास्तव एडवोकेट, जमील उस्मानी एडवोकेट, सियासत खान, कृष्णा अकेडिया, आबिद खान, मो. उमर, इकबाल कबाड़ी, राजु मालवीय, वहीद खान, अजहर खान, मांगीलाल पटेल आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महिला कांग्रेस ने भी दिया आवेदन

अखिल भारतीय राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा के निर्देशानुसार प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल के आव्हान पर जिला महिला कांग्रेस रतलाम ग्रामीण अध्यक्ष वंदना पुरोहित के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री रवनीतसिंह बिट्टू, उत्तर प्रदेश के मंत्री रघुराजसिंह एवं महाराष्ट्र शिवसेना विधायक संजय गायकवाड ने विपक्ष के नेता एवं सांसद राहुल गांधी पर जो आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में एक आवेदन जावरा शहर थाना प्रभारी को दिया तथा अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले भाजपा नेता व केन्द्रीय मंत्री पर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष पदमा हिंगड़, ब्लॉक अध्यक्ष अन्नपूर्णा पंवार, शहर अध्यक्ष कविता कल्याणे, शमीमा खान के साथ अनेक महिलाएं उपस्थित रही।

सिद्धि तप एवं अन्य तपस्वियों का समिति ने किया बहुमान

जावरा।

श्री श्वेतांबर जैन वरिष्ठ सेवा समिति का मैत्री मिलन समारोह श्री नागेश्वर तीर्थ सचिव धरमचंद जैन, समाजसेवी विपिन जैन, दिनेश डूंगरवाल, अभय श्रीमाल, विनोद श्रीमाल द्वारा गौतम स्वामीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया।

प्रार्थना पुष्पा चपड़ोद ने प्रस्तुत की। इस दौरान विराजित तीर्थ प्रेरिका श्री सौम्यवंदना श्रीजी मसा एवं अन्य मसा ने प्रवचन में आत्मा के कल्याण के साथ-साथ सेवा एवं दान के महत्व को समझाया तथा सभी को मांगलिक प्रदान की। अतिथियों ने कहा कि वरिष्ठ संघ की सेवा गतिविधियां न सिर्फ अपने लिए वरन समाजजनों के हीत में चाहे साधर्मी सहायता हो या जीवदया, शिक्षा, चिकित्सा, तपस्या का बहुमान या अन्य राष्ट्रीय पर्व को मनाना हो सभी में आगे रहकर कार्य किया जाता है जो सराहनीय है। इस अवसर पर रोचक प्रश्न उत्तर का आयोजन किया। जिसमें सभी विजेताओं को पुरूस्कार भेंट किए। रिंगनोद पहुंचने पर ट्रस्ट अध्यक्ष व साधर्मी लाभार्थी दिनेश डूंगरवाल ने

संस्था सदस्यों का तिलक लगाकर सम्मान किया। वहीं सिद्धि तप व अन्य तपस्वी 8 वर्ष से लेकर बड़ी उम्र तक के तपस्वीयों का बहुमान ज्योति-कमल चपडोद ने किया। जिसमें मिताश रांका, पूर्वा रांका, किमती नाहटा, किशा नाहटा, प्रतीक डूंगरवाल, निलेश काकरियां, रेखा सुराणा, प्रभा चौपड़ा, मंजुला डांगी, सुशीला धोका, सुनीता जैन, प्रिसा श्रीमाल, कविता चंडालिया, कविता डूंगरवाल आदि तपस्वी शामिल थे। पार्श्व पद्मावती धाम ट्रस्ट पदाधिकारीयों द्वारा संस्था अध्यक्ष अभय सुराणा का शाल, माला और पगड़ी पहनाकर सम्मान किया।

इनकी रही उपस्थिति

अशोक झामर, सुजानमल कोचट्टा, शांतिलाल रुनवाल, सुरेश सुराना, रमणीक जैन, विनोद बरमेचा, विनोद लुनिया, शांतिलाल डांगी, अनिल धारीवाल, अशोक धोका, वर्धमान मांडोत, बसंतीलाल चपडोद, नगीन सकलेचा, नेमीचंद जैन, श्रेणिक नांदेचा, तेजमल मेहता, दिलीप चत्तर, प्रेमराज चोरड़िया, नरेंद्र संघवी, प्रदीप सिसोदिया, दिलीप चंडालिया, पारस छाजेड़, विरेन्द्र रांका, दिलीप पारख, अनिल धारीवाल, कैलाश चोपड़ा, हेमंत जैन, अनिल श्रीश्रीमाल आदि सदस्य उपस्थित थे। संचालन सचिव अनिल चोपड़ा ने तथा आभार उपाध्यक्ष पुखराज पटवा ने माना।

विचार प्रवाह

आरओ का पानी: सुनियोजित षड़यंत्र?

उसने तीन महीनो से ऋह का पानी पीना बंद किया और फ़र्क़ देखा है।आज इस रिपोर्ट से कन्फर्म हो गया की दानव क्यों चाहते है विटामिन बी 12 लेवल कम हो और लोग माँसाहारी बने तथा उनके बनाये हुए साइनाइड युक्त दवाओं का सेवन करते हुए लोगो को मारा जाय।आर ओ पानी का षड़यंत्र विदेशी कंपनियों का ऐसा षड्यंत्र जिससे आज गाँव भी नहीं बचा । जिस देश में पानी बेचना पाप माना जाता है आज उस देश में पानी 20 रूपये लीटर बेचा जा रहा है । मशीनों के लिए प्रयोग होने वाला ऋह वाटर आज प्रत्येक घरों में पहुँच चुका है । एक फैशन सा होता जा रहा है कि हम भी आर ओ का पानी पीते हैं इसलिए बीमार नहीं पड़ेंगे।पानी के अन्दर बहुत सारे मिनरल्स होते हैं लेकिन जब इनको काटरेज फ़िल्टर से पास किया जाता है तो बहुत सारे मिनरल्स खत्म हो जाते हैं जैसे- बी-12 खत्म हो गया तो आपको पता भी नहीं चलेगा।एक लीटर आर ओ पानी बनाने के लिए दो लीटर पानी प्रयोग किया जाता है।पचास फीसदी पानी निरर्थक हो जाता है।सामान्यतः मानव के लिए 7 से 7.5पी एच , 200 से 250 टीडीएस,50 हार्डनेस मूल्य का पानी पीना चाहिए । लेकिन जहाँ पर सप्लाई का पानी ही 200 टीडीएस, 10 कठोरतम का पानी का आ रहा हो वहां आर ओ का क्या काम है?कोई भीआर ओ वाटर की क्वालिटी मेन्टेन नहीं करता है , सिर्फ आपको साफ़ पानी देता है और जो बोतलों में पानी मिलता है उनकी टीडीएस लगभग 10 के आसपास होती है तथा उसमे पानी की पी एच बढ़ाने के लिए व मिनरल्स को मेन्टेन रखने के लिए केमिकल मिलाया जाता है।जब भी आप बाहर का या नल का पानी पीते है कुछ ही दिनों में आपके पेट में दर्द रहने लग जाता है क्योंकि आपके सिस्टम को आरओ पानी की आदत पड़ी हुई है।आप नब्बे प्रतिशत लोंगों से पूंछिये यहाँ तक कि जो आरओ बेचते हैं उन्हें भी पूर्ण जानकारी नहीं होती है कि पानी की गुणवत्ता क्या होती है । पडोसी के यहाँ आर ओ है तो हमारे यहाँ क्यों नहीं?आजकल झूठे विज्ञापनों के प्रचार व भेड़चाल में पड़कर बिना सोचे समझे आर ओ प्रयोग करते जा रहे हैं?शहर की बात जाने दीजिये अब तो गाँव में भी आरओ पहुँच गया है और हम पूरी तरह उस पर निर्भर होते जा रहें हैं । उनसे उसकी क्वालिटी पूंछो तो जबाब नहीं है।अब प्रश्न है कौन सा पानी पियें?सबसे बेहतरीन पानी बारिश का होता है । आप अपने घर में पानी का टैंक बनवाएं और बारिस के दिनों में अपनी छत पर लकड़ी का कोयला व चूने को डाल दें जिससे पानी कोयले व चूने से छनकर आप के टैंक में आये । यह पानी साल भर खराब नहीं होगा । इस पानी को आप साल भर पीजिये पेट की बीमारी नहीं होगी । आवशयकता होने पर कभी-कभी थोड़ी मात्रा में लाल दवा (पोटेशियम परमैग्नेट) या फिटकरी का प्रयोग कर लें अन्यथा उसकी भी जरुरत नहीं है । राजस्थान में जहाँ पर पानी की बहुत अधिक कमी है इसी तरह जल के भंडार को सुरक्षित रखकर प्रयोग किया जाता है,कोई आर ओ का पानी नहीं पीता है।देश में कितने प्रतिशत गरीब व झुग्गी में रहने वाले लोग आर ओ का पानी पीते है?बारिश के पानी के बाद गिलेशियर से निकली हुई नदियों का पानी है जिसमे अधिकतम खनिज तत्व व गुणवत्ता को पूर्ण करते हैं।नदियों के जल के बाद तालाब का पानी जिसमे साफ़ बारिश का जल एकत्रित होता हो जिसमे गंदगी या जानवर ना नहाते हों,फिर कुएँ का पानी जिसका सम्बन्ध वारिश के दिनों में पानी के जलस्तर बढ़ने व घटने से होता है । कुएं की सफाई बारिश से पहले गर्मियों के दिनों में बहुत जरुरी है।कुएं के पानी के बाद सप्लाई का पानी जिसे साफ़ करके , गुणवत्ता की जाँच-पड़ताल के बाद भेजा जाता है।सप्लाई के पानी के बाद सबसे खराब पानी आर ओ का है जिसमे कभी भी शरीर के लिए आवश्यक खनिज तत्व नहीं मिलते हैं । कुतर्क कुछ लोग कहेंगे कि हम तो लगातार कई वर्षो से आर ओ का पानी पी रहे है हम तो ठीक है , तो भाई जी आप जरा एक माह गाँव का या झुग्गी वालों की तरह खा-पीकर देखिये और अपनी आँतों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता की जांच कीजिये।जल की कठोरता अस्थाई कठोरता कैल्शियम और मैग्नीशियम के वाईकर्बोनेट के जल में रहने के कारण होती है । इस जल को उबालकर या सोडियम कार्बोनेट मिलाकर अथवा क्लार्क विधि द्वारा कठोरता दूर की जाती है।स्थाई कठोरता इस जल को उबाल कर शुद्ध नहीं किया जा सकता है , इस जल में मैग्नीशियम और कैल्शियम के क्लोराइड और सल्फेट घुले होने के कारण इसे सोडियम कार्बोनेट मिलाने से या प्रमुटिट विधि द्वारा कैलगन विधि से दूर किया जाता है।व्यवहारिक रूप से भी यह सत्य नही लगता कि छत की टैंकी का पानी आर ओ में आने के बाद इतनी तेजी से कैसे साफ हो जाता है कि नली में आकर ये पानी 75परसेंट पानी निरर्थक बहाकर 25प्रतिशत शुध्द पीने योग्य पेयजल तेज गति से उपलब्ध करा देता है?बात सही कम लगती है।हम 75 फीसदी पानी बेकार बहा रहे हैं जबकि देश में अब भी पेयजल संकट है।पानी की बर्बादी रोकने की बजाय उसे हम बहा रहे हैं, पानी बेकार ढोल रहे हैं ।आर ओ यंत्र उपयोग करने या कराने की कंपनियों की गहरी साजिश तो नहीं?

दिनेश गंगराड़े, समरपार्क, निपानिया, इंदौर452010मप्र

टीएल बैठक में कलेक्टर ने की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

खरगोन। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने 19 सितंबर को अधिकारियों की बैठक लेकर समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर हेमलता सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर आकांक्षा करोटिया एवं सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। जिन विभागों के प्रकरण बहुत दिनों से अधिक संख्या में लंबित है, उनका शीघ्रता से निराकरण करने कहा गया। सीएम हेल्पलाइन की मासिक ग्रेडिंग में जिन विभागों के कारण जिले की ग्रेडिंग प्रभावित होगी उनके विरूद्ध कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई।

स्वच्छता ही सेवा अभियान की चर्चा करते हुए कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि इस अभियान का जिले के नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक असर दिखना चाहिए। इस अभियान के अंतर्गत जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जिन स्थानों को चिन्हित किया गया है, उनमें साफ सफाई एवं स्वच्छता के कार्य कराएं जाएं। सभी एसडीएम को इन कार्यों की मॉनिटरिंग करने के निर्देष दिए गए। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत जिला स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक के सभी शासकीय कार्यालयों में साफ-सफाई और रंगाई-पुताई का कार्य किया

जाना है। अतः सभी अधिकारी इसे गंभीरता से करें। साफ-सफाई का यह अभियान 02 अक्टूबर तक ही नहीं, बल्कि निरंतर चलते रहना चाहिए।

अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों द्वारा किये जा रहे निरीक्षण की चर्चा करते हुए कलेक्टर श्री शर्मा ने निर्देषित किया कि निरीक्षण प्रतिवेदन में जो कमियां बताई गई है, उन्हें दूर करने के लिए तत्परता से कार्य किया जाए। सभी एसडीएम भी यह सुनिष्चित करें कि उनके क्षेत्र के अस्पतालों का विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा सतत निरीक्षण किया जाए। मुफ्त बिजली घर योजना के अंतर्गत जिले के बड़े शासकीय कार्यालयों के भवनों पर सौलर पैनल लगाने के लिए सर्वे का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देष दिए गए।

बैठक में निर्देषित किया गया कि जो सीएम राइज स्कूल पुराने भवनों में संचालित हो रहे हैं उनके भवन निर्माण की कार्यवाही शीघ्र की जाए। इस दौरान बताया गया कि टेमला एवं बमनाला के सीएम राइज स्कूल का भवन जनवरी 2025 में पूर्ण कर लिया जाएगा। खरगोन नगरीय क्षेत्र में पुनर्घनत्वीकरण योजना के अंतर्गत विकास कार्यों के प्रस्ताव शीघ्रता से तैयार करने के निर्देष दिए गए। इसमें खरगोन नगर में एक अच्छे स्टेडियम की प्लानिंग करने कहा गया। जिले में संचालित छात्रावासों एवं एकलव्य आवासीय विद्यालय के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से कराने के निर्देष दिए गए।

मच्छर जनित बीमारियों की संभावना को देखते हुए मलेरिया विभाग के अधिकारियों को निर्देषित किया गया कि घर-घर जाकर लार्वा सर्वे का कार्य किया जाए। नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देषित किया गया कि नगरीय क्षेत्रों में जिन प्लाटो पर पानी भरा हुआ है, उनके मालिकों को नोटिस जारी करें। यदि वे अपने प्लाटो से पानी निकासी की व्यवस्था नहीं करते हैं तो उनके विरूद्ध मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारी फैलाने के मामले में जुर्माने की कार्यवाही करने कहा गया। महेष्वर एसडीएम को निर्देषित किया गया कि एमपीआरडीसी द्वारा जामगेट रोड़ के गड्ढे भरने के कार्य का सत्यापन कराएं।

सिकल सेल एनिमिया और थेलेसेमिया से बचाव के लिए निकाली जागरुकता रैली

खरगोन। प्रधानमंत्री कालेज ओफ एक्सिलेंस मे प्राचार्य डॉ शैल जोशी के मार्गदर्शन में महाविद्यालय की एनसीसी, एनएसएस स्वामी विवेकानंद मरगदर्शन प्रकोष्ठ इकाई द्वारा संयुक्त रूप से सिकल सेल एनिमिया औरथेलेसेमिया जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। यह जागरूकता रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर कृषि उपज मंडी तक निकाली गई। रैली के अंत में कृषि उपज मण्डी मे खासकर झिरन्या और भगवानपुरा की ओर से अपनी उपज बेचने आये किसानों को सिकल सेल ऐनिमिया और

थेलेसेमिया के प्रति जागरूक किया गया। यह बीमारीआदिवासी आंचलों में प्रायः ज्यादा देखने को मिलती है। इस बात को ध्यान मे रखकर एन सी सी केडेट्स ने आदिवासी किसानों को उन्ही की बोली (भाषा) में इस बीमारी की भयावहता और इसके बचावों के बारे मे बताया और कहा कि यदि आपको या आपके बच्चे को बुखार या स्ट्रोक सहित सिकल सेल एनीमिया के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत अच्छे डॉक्टर से या जिला मुख्यालय स्थित जिला अस्पताल से सम्पर्क कर ईलाज लेना चाहिये।

सिकल सेल एनीमिया उस जीन में बदलाव के कारण होता है जो शरीर को हीमोग्लोबिन बनाने के लिए कहता है। हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में मौजूद आयरन से भरपूर यौगिक है। जो इन कोशिकाओं को फेफड़ों से ऑक्सीजन को शरीर के बाकी हिस्सों तक ले जाने में मदद करता है। सिकल सेल एनीमिया से जुड़ा हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं को कठोर, चिपचिपा और विकृत बना देता। इस अवसर पर कृषि उपज मंण्डी मे किसानों के बहुत प्रश्नो के उत्तर भी दिये।

ईव्हीएम वेयर हाउस का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

खरगोन। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देषों के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा ने 19 सितंबर को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ईव्हीएम-व्हीव्हीपेट वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती हेमलता सोलंकी एवं निर्वाचन पर्यवेक्षक श्री किराड़े भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान वेयर हाउस में रखी गई ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट मषीनों की सुरक्षा एवं रख रखाव को देखा गया। इस दौरान भाजपा के श्री मोहन राठौर एवं सीपीएम के श्री वासुदेव विषनौले उपस्थित थे।

बेटी की इच्छा पर पिता ने आंगनवाड़ी में भेट की स्मार्ट टीवी

खरगोन । खरगोन शहर के वार्ड 46 पहाड़सिंग पूरा की आंगनवाड़ी केंद्र पर श्री संजय पिता राजू रघुवंशी की बालिका प्रव्या आंगनवाड़ी जाती थी। किंतु आंगनवाड़ी केंद्र पर टीवी नहीं होने पर हमेशा अपने पिता को बोलती थी कि पापा वहां पर टीवी नहीं है, इसलिए मैं आंगनवाड़ी नहीं जाऊंगी। पिता ने इस बात को मन में रखा। इस बात को काफी समय बीत गया था। तब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती ममता रघुवंशी द्वारा श्री गोस्वामी को एडॉप्ट एन आंगनवाड़ी योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना के तहत कोई भी व्यक्ति आंगनवाड़ी केंद्र में सामग्री देना चाहे तो दान कर सकते है। श्री गोस्वामी को भी अपनी स्वयं की बेटी की बात याद आई और उन्होंने क्राउन की 32 इंच की टीवी आंगनवाड़ी केन्द्र को भेंट कर दी। क्षेत्र में श्री संजय गोस्वामी के इस पहल की प्रषंसा हो रही है उनका अनुकरण कर 14 सितंबर 2024 को वार्ड वासियों द्वारा कई प्रकार की सामग्री आंगनवाड़ी को प्रदान की। श्री संजय गोस्वामी एक निजी बैंक में कार्यरत होकर मध्यम वर्गीय परिवार से आते हैं। इसके बाद भी उन्होंने अपनी नन्ही बेटी का मन रखने के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र को स्मार्ट टीवी दान में दी है। संजय गोस्वामी द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र को दी गई इस टीवी से उनकी बेटी प्रव्या के साथ केन्द्र के सभी बच्चे भी बहुत खुष है।

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु पंजीयन प्रारंभ

खरगोन। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए जिले में कुल 11 किसान पंजीयन केन्द्र बनाएं गये है। इन केन्द्रों पर धान, ज्वार एवं बाजरा का पंजीयन 19 सितम्बर से प्रारंभ कर दिया गया है। किसान अपना पंजीयन 04 अक्टूबर 2024 तक करा सकते हैं। पंजीयन केन्द्रों पर शासकीय कार्य दिवस रविवार एवं शासकीय अवकाश को छोडकर पंजीयन किया जायेगा।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री भारत सिंह जमरे ने बताया कि पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर तथा एम.पी. किसान एप पर भी की गई है। पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। इन केन्द्रों पर पंजीयन के लिये 50 रूपये से अधिक शुल्क निर्धारित नहीं किया जाएगा।

वनपट्टाधारी व सिकमी बटाई वाले किसान धान, ज्वार एवं बाजारा उपार्जन के लिए जिले के 11 पंजीयन केंद्र पर पंजीयन करा सकते है। इनमें विवेकानन्द सेवा सहकारी संस्था झिरन्या, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था महेश्वर, जनहित विपणन सहकारी संस्था करही, देवश्री सहकारी संस्था कसरावद, कसरावद बुजुर्ग, श्री शक्ति सहकारी विपणन समिति गोगावां, श्री गणेश सहकारी विपणन समिति खरगोन, सतपुडा सहकारी विपणन समिति भगवानपुरा, दि को. ऑपरेटिव्ह मार्के. सोसायटी लि. भीकनगांव, दि कोऑपरेटिव्ह मार्के. सोसायटी सनावद-बडवाह, दि कोऑपरेटिव्ह मार्के. सोसायटी सनावद, मातेश्वरी मार्के. सोसायटी लि. सेगाव को पंजीयन केंद्र बनाया गया है।

गोगांवा में पेयजल स्त्रोतों का किया गया क्लोरिनेषन

खरगोन। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के मार्गदर्षन में जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत स्वच्छता से जुड़ी विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है और आमजन को इस अभियान में सहभागी बनकर स्वच्छता का संदेष देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत 19 सितंबर को ग्राम पंचायत गोगावां के समस्त पेयजल स्त्रोतों के क्लोरिनेशन का कार्य ग्राम पंचायत एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहयोग से किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को संदेष दिया गया कि पेयजल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाएं रखे और उनमें गंदगी न जाने दें। स्वच्छ पेयजल से ही हम स्वस्थ्य रह सकते हैं। इस अभियान के अंतर्गत गोगावां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र आंगनवाड़ी केन्द्र एवं पंचायत भमोरी की प्राथमिक शाला सह आंगनवाड़ी केंद्र में, लोनारा द्वारा ग्राम गोल में तथा बबलाई औषधालय द्वारा ग्राम सिरस्या आंगनवाड़ी केन्द्र में निःषुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

लोनारा के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय बघेल द्वारा षिविर में 73 धात्री माताओं, बच्चों तथा अन्य ग्रामीण जनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयुर्वेद औषधालय लौहारी के

ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन

खरगोन / जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, बोरावा में प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर के प्रोफेसर एवं हेड एच.आर. डॉ. अनुकुल हाइड द्वारा संस्था में उपस्थित मैनेजमेंट के छात्रों एवं शिक्षकों को ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट विषय की महत्वत्ता, नवीन उद्योग शुरू करना एवं केस स्टडी बेस टीचिंग के बारे में विस्तार पूर्वक व्याख्यान दिया । संस्था के निदेशक डॉ. निशांत दुबे ने आगुन्तक डॉ. अनुकुल हाइड का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया । डॉ. अनुकुल हाइड जो की ह्यूमन रिसोर्स के क्षेत्र में विगत 29 वर्षो से अपनी सेवाए दे रहे है ने उपस्थित मैनेजमेंट के छात्रों को मानव संसाधन के क्षेत्र में

केरियर के अवसर पर विस्तार पूर्वक व्याख्यान दिया । साथ ही साथ संस्था के शिक्षको को टीचिंग के लिए केस स्टडी कैसे तैयार की जाती है बताया । डॉ. अनुकुल हाइड एन.बी.ए., ए.आई.सी.टी.ई. एवं नैक के सदस्य रहते हुये बेस्ट टीचर का अवार्ड भी प्राप्त कर चुके है साथ ही रिसर्च वर्कशॉप, एच. आर. वर्कशॉप, स्टूडेंट डेक्लपमेंट वर्कशॉप एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम आदि प्रोफेशनल एक्टिविटी करवा चुके है ।

डॉ. अनुकुल हाइड द्वारा मैनेजमेंट के छात्रों को मानव संसाधन के क्षेत्र में कैरियर अवसर पर व्याख्यान दिया । मानव संसाधन के क्षेत्र में क्या-क्या रोल एवं जिम्मेदारिया होती है, एच. आर. के क्षेत्र में अलग अलग प्रोफाइल जेसे एच. आर. एग्जीक्यूटिव, एच. आर. रिक्रुटर, एच. आर. जनरलिस्ट, एच. आर. मेनेजर, एच. आर. बिजनेस पार्टनर पर काम किया जा सकता है । मानव संसाधन के भिन्न भिन्न कार्य बताये, जैसे एच. आर. ऑपरेशन, ट्रेनिंग एवं विकास, पेरोल, कंपनसेशन, बेक ऑफिस आदि । आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स के प्रभावों के बारे में भी छात्रों को अवगत कराया कि केसे यह जॉब्स पर प्रभाव डाल रहा है ।

ग्राम पंचायत अमनगांव एवं लोनारा में निकाली गई स्वच्छता रैली

खरगोन। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत खरगोन जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेष दिया जा रहा है। इसी कड़ी में 19 सितंबर को जनपद पंचायत खरगोन की ग्राम पंचायत अमनगांव एवं लोनारा में स्कूली बच्चों द्वारा स्वच्छता रैली निकाली गई। ग्राम अमनगांव एवं लोनारा के स्कूली बच्चों को हाथ धुलाई का महत्व बताया गया। इस दौरान उन्हें बताया गया कि शौच से आने के बाद अपने हाथों को साबुन से धोना चाहिए। इसी प्रकार भोजन करने के पहले भी हाथों को अच्छी तरह धोना चाहिए। हमारे हाथ साफसुथरे रहेंगे तो बीमारियों के कीटाणु हमारे शरीर में प्रवेष नहीं कर पायेंगे। इस दौरान बच्चों का हाथ धोने का तरीका भी बताया गया। हाथ धुलाई के पष्चात शाला परिसर में सफाई का अभियान चलाया गया। जिसमें बच्चों के साथ षिक्षकों एवं ग्रामीणों ने भी सहभागिता की। इसके पष्चात स्कूली बच्चों द्वारा रैली निकालकर गांव का भ्रमण किया गया। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेष दिया गया। इस दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि अपने घरों के आसपास स्वच्छता बनाएं रखें और कचरा व गंदगी एकत्र न होने दें। घरों के आसपास पानी भी एकत्र न होने दें। पानी एकत्र होने से उसमें मच्छर पैदा होते हैं और उनसे फिर मलेरिया व डेंगू जैसी बीमारिया होती है। इस दौरान स्कूली बच्चों और ग्रामीणों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

हर घर पोषण माह की थीम पर लोनारा, लोहारी व सिरस्या में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

खरगोन।

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के निर्देशन एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. वासुदेव आसलकर के मार्गदर्शन में 19 सितंबर को शासकीय आयुर्वेद औषधालय लोनारा, लोहारी एवं बबलाई द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर 2024 हर घर पोषण त्यौहार की थीम के तहत् पोषण एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

शासकीय आयुर्वेद औषधालय लोनारा द्वारा ग्राम

डॉ सुरेंद्र सिंह मंडलोई द्वारा ग्राम गोल के 68 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसी प्रकार आयुर्वेद औषधालय बबलाई की आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. अर्चना चौहान द्वारा सिरस्या षिविर में 36 गर्भवती, धात्री महिलाओं एवं कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस प्रकार आयुष विभाग द्वारा इन तीन षिविरों में 178 गर्भवती, धात्री माताओ, बच्चों व ग्रामीणों को स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है।

आयुर्वेद औषधालयों द्वारा शिविर में चर्म रोग प्रतिशाय, उदर रोग, अम्ल पित्त, अतिसार, श्वास कास, ज्वर वात रोग, संधिवात, उच्च रक्तचाप एवं अन्य रोगों से ग्रसित ग्रामीणों का परीक्षण कर उपचार के लिए निशुल्क औषधीय का वितरण किया गया। इस दौरान इन षिविरों में ग्रामीणों को ऋतु अनुसार आहार विहार के बारे में बताया गया। साथ ही कुपोषण से बचाव के लिए श्रीअन्न के उपयोग तथा कमजोर बच्चों को औषधीय तैल से मालिश के बारे में आवश्यक जानकारी दी गई।

अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में पदक जीतने वाले जय मीणा और आयुष शर्मा होंगे सम्मानित

खंडवा। दक्षिण कोरिया पर खेली गई 17वीं विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में देश एवं मध्य प्रदेश का गौरव विश्व स्तर पर बढ़ाने वाले खिलाड़ी कांस्य पदक जीतने वाले जय मीणा एवं खंडवा जिले के विस्थापित आयुष शर्मा ने स्विट्जरलैंड में आयोजित इंटरनेशनल टूर्नामेंट में बेलारूस फेस्टिवल में ग्रैंड मास्टर जीतकर कांस्य पदक जीतने पर उन्हें 20 सितंबर को पीतांबरा शक्ति पीठ भंडारिया में पुरस्कृत किया जाएगा ।कार्यक्रम के अध्यक्ष अनूप कुमार सिंह कलेक्टर और विशेष अतिथि मनोज राय पुलिस अधीक्षक खंडवा और श्रीमान राम गोपाल बागड़िया जिला खेल अधिकारी रहेंगे। उक्त जानकारी आयोजक सुजान सिंह राठौर ने दी।

नया हरसूद में शुरू होगी रजिस्ट्री: कलेक्टर

खंडवा। गुरुवार दोपहर में विस्थापित संघ का प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर अनूप कुमार सिंह से मिला और हरसूद पुनर्वास स्थल की विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा की । विस्थापित संघ के अध्यक्ष रमेश चंद बंसल और सचिव चंद्र कुमार सांड ने कलेक्टर अनूप कुमार सिंह और वहां मौजूद डिप्टी कलेक्टर अंशु ज्वाला को बताया कि नया हरसूद पुनर्वास स्थल के जारी भूमि स्वामी अधिकार पत्र की खसरा नकल, भू राजस्व भराना और अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करना उसके बाद इस आधार पर विक्रय पत्र की रजिस्ट्री होना यह सभी काम विलंबित है ।

बार-बार संपर्क करने पर एक ही बात बताई जाती है वेब सेक्शन भोपाल से अपडेट नहीं हो रहा है। जैसे ही होगा रजिस्ट्री होने लगेगी ।लेकिन यह कब होगा वेब सेक्शन पर किसी का दबाव नहीं है ।विस्थापित बहुत परेशान है सारे जहां का काम हो रहा है लेकिन पुनर्वास स्थल नया हरसूद का कोई काम नहीं हो रहा है ।व्यावसायिक दुकानों के पट्टे भी जारी नहीं किए जा रहे हैं।इस पर विस्थापित संघ के बंसल और सांड को कलेक्टर ने बताया की रजिस्ट्री का कार्य शुरू हो रहा है।और रजिस्ट्री के बाद नामांतरण भी शीघ्र होने लगेंगे। किसी भी विस्थापित को कोई परेशानी आती है तो वह कार्यालय में संपर्क कर सकता है। जहां तक व्यवसायिक प्लाट की बात है इसका कार्य भी चल रहा है सिलसिलेवार सभी कार्य होंगे। विस्थापित संघ के सुजान सिंह राठौर ने कलेक्टर अनूप कुमार सिंह से 28 (क)के प्रकरणों को निपटाने की मांग भी रखी। कलेक्टर से मुलाकात करने के दौरान विस्थापित संघ रमेशचंद बंसल, चंद्र कुमार सांड, सुजान सिंह राठौर ,मनोज पाराशर ,प्रभु सिंह सिसोदिया लक्ष्मण केल्दे गोपाल सावनेर अखिलेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गुड टच, बेड टच की दी जानकारी

खण्डवा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खण्डवा के अध्यक्ष व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती ममता जैन के मार्गदर्शन व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खण्डवा के सचिव/जिला न्यायाधीश श्री यशवंत मालवीय की अध्यक्षता एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी कुमारी अनुपमा मुजाल्दे के समन्वय से 19 सितम्बर को ए.डी.आर. सेंटर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खण्डवा में उदय सामाजिक विकास संस्था के सहयोग से बाल समूह के बच्चों के साथ विधिक जागरूकता कार्यक्रम व गुड टच बेड टच पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उदय सामाजिक विकास संस्था के सदस्य व पैरालीगल वालंटियर्स उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खण्डवा के सचिव व जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा बच्चों को पॉक्सों एक्ट, बालकों के अधिकार, घरेलू हिंसा की जानकारी दी। इस दौरान पैरालीगल वालंटियर्स सुश्री दीपिका मिश्रा द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्चों को गुड टच, बेड टच आदि की जानकारी भी दी गयी।

100 दिवसीय जागरूकता अभियान में हुए विभिन्न कानूनों के बारे में दी जानकारी

खण्डवा । हब फॉर एंपावरमेंट ऑफवूमेन के 100 दिवसीय जागरूकता अभियान अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग जिला खंडवा के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री विक्रांत दामले के निर्देशानुसार वन स्टॉप सेंटर प्रशासक श्रीमती शीला सांवरे द्वारा जागरूकता के 14वें सप्ताह में ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं'' में 19 सितम्बर को वन स्टॉप सेंटर में स्कूल के बच्चों को पोक्सो एक्ट, गुड टच बैड टच, लैंगिक उत्पीड़न और बच्चों के अधिकारों, दहेज से संबंधित कानूनों के विषय में व तीन नए कानून के विषय में जानकारी दी गई। साथ ही वन स्टॉप सेंटर, घरेलू हिंसा, महिला सशक्तिकरण, डेस्क 112, छेड़-छाड़, शासन द्वारा जारी किए गए टोल फ्री नम्बर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एवं महिला हेल्पलाइन 181 के बारे में भी जानकारी दी गई।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत नगर निगम खंडवा की अभिनव पहल

खंडवा। नगर निगम खंडवा द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024** के अंतर्गत तीन प्रमुख कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य नगरवासियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और श्रमदान की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस अभियान के तहत महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव के नेतृत्व में नागरिकों को स्वच्छता का महत्त्व बताया गया।

1. महापौर के नेतृत्व में ह्यूमन चेन से जागरूकता

महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव के नेतृत्व में एक विशाल ह्यूमन चेन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए। इस चेन के माध्यम से नगरवासियों को यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ह्यूमन चेन एक प्रभावी तरीका साबित हुआ, जिसमें बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

2. प्रभु प्रेम पुरम महिला मंडल द्वारा श्रमदान

प्रभु प्रेम पुरम महिला मंडल के सहयोग से श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने सक्रिय रूप से हिस्सा लेकर साफ-सफाई में योगदान दिया। यह श्रमदान कार्यक्रम नगर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित किया गया, जहां महिलाओं ने न केवल सफाई की, बल्कि दूसरों को भी इस अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। श्रमदान के जरिए स्वच्छता को एक सामूहिक जिम्मेदारी बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम था।

स्वच्छता के साथ-साथ पुनः उपयोग की आदत को बढ़ावा देने के लिए 3आर (Reduce, Reuse, Recycle) रथ के माध्यम से रहवासियों ने उपयोगी वस्त्रों का वितरण किया। इस कार्यक्रम में जुटाए गए कपड़े जरूरतमंदों को वितरित किए गए, जिससे न केवल स्वच्छता का संदेश फैला, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी बढ़ावा मिला। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत यह कदम यह संदेश देता है कि पुनः उपयोग से संसाधनों की बर्बादी रोकी जा सकती है। रोचक तथ्य- 2024 के स्वच्छता ही सेवा अभियान का मुख्य उद्देश्य 'गार्बेज फ्री इंडिया' बनाना है, जिसमें लाखों लोग श्रमदान कर रहे हैं और देशभर में प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर काम हो रहा है।

नवादा घटना के लिए यादव समाज के लोग जिम्मेदार: मांझी

चिराग बोले- घटना शर्मनाक और निंदनीय, दोषियों को मिले सख्त सजा

पटना (एजेंसी)। बिहार नवादा में दलित बस्ती जलाए जाने के मामले में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बड़ा बयान दिया है। मांझी ने इस घटना के लिए यादव समाज के लोगों को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि बिहार में मुसहर और चमार जाति के लोग सालों से एक जगह पर साथ रह रहे हैं। लेकिन विरोधी पक्ष के लोग यादव समाज के लोग हैं। उन्होंने जमीन के लिए कुछ मुसहर जाति के लोगों को अपने पक्ष में करके घटना को अंजाम दिया है। मांझी ने कहा कि अभी तक पुलिस ने इस मामले में

15 लोगों को गिरफ्तार किया है, इसमें से 12 यादव हैं। इससे साफ है कि ये लोग बिहार में अभियान चला कर दलितों को टारगेट कर रहे हैं। कुछ लोग साजिश के तहत इनकी जमीन पर कब्जा कर मकान बनाते हैं। इस पर सरकार ध्यान दे। वहीं विपक्ष की तरफ से दलित समाज के नेताओं की चुप्पी के सवाल खड़ा करने पर जीतनराम मांझी ने कहा कि जब हम विधानसभा सदस्य थे, तब भी हमने कहा था कि 70 फ़ीसदी एक पार्टी विशेष के लोग एक समाज के लोग हैं उनके द्वारा ज़मीनों पर कब्जा किया जा रहा है। बिहार विधानसभा में भी हमने कहा था कि सरकार इस पर ध्यान दे। मांझी ने इशारों ही इशारों में आरजेडी पर हमला बोला। वहीं इस मामले पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने न्यायिक जांच की मांग की है। चिराग ने सोशल मीडिया पर लिखा-बिहार के नवादा में दबंगों और अपराधियों द्वारा महादलित टोले के करीब 80 घरों में आग लगाने की खबर बेहद शर्मनाक और निंदनीय है।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत् स्वास्थ्य केन्द्रों पर की जा रही विभिन्न गतिविधियां

खण्डवा । स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2024 के तहत् गुरुवार को जिला चिकित्सालय खंडवा में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में नर्सिंग स्टॉफएवं छात्राओं ने रंगोली बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इसी क्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जावर में जनजागरुकता रैली निकालकर जनसमुदाय को स्वच्छता के प्रति जागरुक किया गया। इस दौरान सी.बी.एम.ओ. डॉ. एन.के. सठिया, बी.ई.ई. श्री राजेश प्रजापति सहित विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की दिशा क्लस्टर द्वारा समीक्षा बैठक सम्पन्न

खण्डवा । राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत दिशा क्लस्टर इंदौर द्वारा समीक्षा बैठक गुरुवार को सिविल सर्जन कॉंफ्रेंस हाल में की गई। जिला क्षय अधिकारी डॉ. शक्ति सिंह राठौड़ ने एच.आई.वी./एड्स के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु संचालित आई.सी.टी.सी., डी.एस.आर.सी., ए.आर.टी., ब्लडबैंक एवं गैर शासकीय संस्थायें टी.आई., विहान, सुमिक्षा परियोजना केन्द्रों के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान दिशा टीम इन्दौर से सी.एस.ओ. डॉ. आलोक रंजन मौर्य, डी.एम.डी.ओ. डॉ. मयंक अग्रवाल व जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के कर्मचारी मौजूद थे।

ईएमआई न भरने पर खुला मोहब्बत का राज, जंगल में रेप करने वाले प्रेमी पर मामला दर्ज

भोपाल। राजधानी की चूनाभट्ठी थाना पुलिस ने निजी काम करने वाली युवती की शिकायत पर उसके प्रेमी के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किये जाने का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि प्रेमी ने उसे शादी का झांसा दिया और भोपाल आकर उसे घुमाने के बहाने जंगल ले जाकर शारीरिक संबंध बना लिए। इतना ही नहीं उसने पीड़ीता से दो लाख रुपए भी लेकर हड़प लिए। बाद में आरोपी ने शादी करने से इंकार कर दिया, जिसके बाद मामला पुलिस तक जा पहुंचा। पुलिस के अनुसार 25 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया की राजधानी के नजदीक ही स्थित एक गॉव की रहने वाली है। और फिलहाल निजी काम करते हुए चूनाभट्ठी

तकनीकी खराबी आने से दुर्घटना होने से बचा हेल ड्रोन, समुद्र में कराई लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई के पास समुद्र में भारतीय नौसेना के एक हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस रिमोटली पायलट एयरक्राफ्ट की तकनीकी खराबी के कारण आपात लैंडिंग कराई गई है। यह घटना बुधवार की बताई जा रही है। हेल ड्रोन, आईएनएस राजाली, अराकोणम से एक नियमित निगरानी मिशन पर था। उड़ान के दौरान तकनीकी खरीबी को ठीक नहीं किया जा सका। ऐसे में कंट्रोल्ड लैंडिंग कराई गई।

हेल ड्रोन को सुरक्षा के मद्देनजर, एयरक्राफ्ट को समुद्र के ऊपर एक सुरक्षित क्षेत्र में ले जाया गया। चेन्नई से दूर समुद्र में नियंत्रित तरीके से उतारा गया। इस संबंध में ओरिजिनल एक्यूपमेंट निर्माता (ओईएम) से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है। नौसेना ने इस हेल ड्रोन को लीज पर लिया था। यह ड्रोन नियमित निगरानी अभियान के लिए आईएनएस राजाली से संचालित होता है। तकनीकी खराबी के कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

ओईएम की रिपोर्ट के बाद ही इस बारे में कुछ स्पष्ट हो पाएगा। भारतीय नौसेना की ओर से किराए पर लिया गया हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट की सेफ लैंडिंग हुई है। तकनीकी गड़बड़ी के चलते एयरक्राफ्ट को उड़ान के दौरान रीसेट नहीं किया जा सका। ड्रोन को समुद्र के ऊपर एक सुरक्षित क्षेत्र में ले जाया गया और चेन्नई के पास समुद्र में लैंडिंग कराई गई।

हेल ड्रोन एक तरह का मानव रहित यूएवी है। इन्हें खास तरह से डिजाइन किया गया है। हेल ड्रोन, तेज रफ्तार से उड़ सकते हैं। इनका इस्तेमाल खुफिया जानकारी, निगरानी आदि कामों के लिए किया जाता है। इनकी खासियत है कि हेल ड्रोन ज्यादा ऊंचाई पर उड़ सकते हैं।

जुए में जीती थी पहली साइकिल

मुरादाबाद । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है। शौकत अली ने मुरादाबाद के कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा के दौरान कहा कि मुलायम सिंह यादव जुआ खेलते थे और उन्होंने पहली बार जुए में साइकिल जीती थी, इसलिए साइकिल को अपनी पार्टी का चुनाव चिन्ह बना लिया। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है, खासकर उस समय जब उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं। शौकत अली ने इस मौके पर कांग्रेस और भाजपा पर भी तीखे हमले किए। गौरतलब है कि आगामी उपचुनावों में एआईएमआईएम ने हिस्सा लेने की घोषणा की है। इसके साथ ही एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद के बीच गठबंधन की संभावना भी जताई जा रही है। यदि यह गठबंधन होता है, तो यह समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वोट बैंक को बड़ा झटका दे सकता है और यूपी की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत हो सकता है।

मोहना सिंह तेजस लड़ाकू विमान उड़ाने वाली पहली महिला पायलट बनीं

नई दिल्ली। मोहना सिंह आईएएफ के तेजस लड़ाकू स्क्वाड्रन का हिस्सा बनने वाली भारत की पहली महिला पायलट बन गई हैं। मोहना जून 2016 में भारतीय वायुसेना में शामिल होने वाली पहली तीन महिला लड़ाकू पायलटों में से एक थीं। उन्हें गुजरात के नलिया में स्थित नंबर 18 फ्लाइंग बुलेट्स स्क्वाड्रन सौंपा गया है। मोहना ने हाल ही में तरंग शक्ति बहुपक्षीय हवाई युद्ध अभ्यास में भाग लिया। वह पहले नंबर 3 फाइटर स्क्वाड्रन का हिस्सा थीं, उन्होंने मिग-21 बाइसन विमान उड़ाया। अवनी चतुर्वेदी, भावना कंठ और मोहना सिंह भारतीय वायुसेना की पहली महिला फाइटर पायलटों के बैच में शामिल हुई थीं। केंद्र सरकार ने पायलट आधार पर महिलाओं के लिए फाइटर स्ट्रीम खोलने का फैसला लेने के एक साल के अंदर, उन्हें 2016 में आईएएफ में कमीशन किया था। फरवरी 2018 में अवनी चतुर्वेदी मिग-21 बाइसन उड़ाकर अकेले लड़ाकू विमान उड़ाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं थी, जिन्होंने जामनगर बेस से उड़ान भरी थी। हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि 2022 में शुरू की गई महिला लड़ाकू पायलटों की प्रायोगिक योजना को अब स्थायी योजना में बदल दिया है। स्क्वाड्रन लीडर मोहना भारतीय वायुसेना की एक प्रमुख महिला फाइटर पायलट हैं। उनके पिता, प्रताप सिंह, एक रिटायर्ड एयरफोर्स ऑफिसर हैं और उनकी मां, मंजू सिंह टीचर हैं।

परिवार से परेशान युवक ने दे डाली एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

भोपाल। राजधानी भोपाल के राजाभोज एयरपोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने फौरन ही एक्शन में आते हूए दबोच लिया। बाद में सामने आया कि युवक ने अपने परिवार वालो से हुई नाराजगी के बाद गुस्से में आकर डायल-100 पर कॉल कर एयरपोर्ट पर बम रखने की बात कही थी। जानकारी के मुताबिक अज्ञात व्यक्ति द्वारा डायल-100 पर फोन लगा कर राजा भोज एयरपोर्ट पर बम रखकर उसे

उड़ा देने की धमकी दी गई थी। धमकी मिलने के बाद फौरन ही बम डिस्पोजल एंड डॉग स्क्वॉड की टीम द्वारा एयरपोर्ट के कोने-कोने की सर्चिंग की गई। हालांकि सर्चिंग के दौरान एयरपोर्ट पर किसी भी तरह की कोई सदिंग्ध वस्तू नहीं मिली जिसके बाद टीमो ने राहत की सांस ली। वहीं पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर जॉच करते हुए धमकी देने वाले आरोपी दशरथ सिंह उर्फ आशीष को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में पता चला कि सुभाष कॉलोनी में रहने वाला आरोपी दशरथ सिंह उर्फ आशीष का अपने माता-पिता से आये दिन विवाद होता रहता है। पारिवारिक विवाद में युवक बार-बार ऐशबाग थाने पहुंचता जाता। युवक ने बताया कि पुलिस उसकी सुनवाई नहीं करती है, इसलिए उसने एयरपोर्ट पर बम रखे होने की झूठी खबर पुलिस को दी थी।

राग दरबारी

अंतिम स्टेज में विश्व गुरु

मुखिया जीने चौपाल की खबरी से पूछा-पटवारी देश दुनिया का चटक खबर क्या है? खबर तो है मुखिया जी लेकिन खबर को सार्वजनिक करना उचित नहीं है ? ऐसा क्यों पटवारी? मेरे अपने घर में छोटे-छोटे बाल बच्चे हैं। मेरी घरवाली है सबका पालन मुझे करना है। अगर खबर को सार्वजनिक कर दिया तो मेरे पीछे सरकारी संरक्षक में पलने वाले गुंडे मुझ पर जानलेवा हमला कर देंगे? ऐसे में मेरे परिवार की गारंटी कौन उठाएगा ? यही मुंह नहीं खोलने का कारण है। तुम्हारे जैसे लोग भयभीत हो जाएंगे तो देश का क्या होगा .? तुम्हें मुंह खोलना ही होगा? राहुल गांधी सत्य को प्रकाश में लाने के लिए मुंह खोल रहे हैं । डंके के चोट पर कहते हैं डरो मत ।सच के लिए मुंह खोलो आप कहते हैं तो मैं मुंह खोलने के लिए तैयार हूं। चौपाल मैदान में लोगों को इकट्ठा करें । मैं चौपाल के बीच मुंह खोलुगा ?

मुखिया जी का आदेश हुआ और मोहल्ले- मोहल्ले गली - गली नगाड़ा बजना चालू हो गया। हल्कारा चिल्ला- चिल्लाकर घोषणा करने लगा। भाई बहनों माताओ बहनो बड़े बुजुर्गों नौजवानों घर- -घर से निकलो और चौपाल मैदान में पहुंचो । पटवारी लाल का प्रवचन है । विषय है-

अंतिम स्टेज में विश्व गुरु। एक ने हाथ उठाकर कहा- यह विषय तो पटवारी लात खाने वाला विषय है? नहीं रे बोका!

इन दोनों कांटों- छाटो संघर्ष चल रहा है । राजनीति में किसी बड़े नेता का कद बढ़ रहा है तो उसे बदनाम करने के लिए उसके भाषण का कुछ अंश को काट - छांट कर बात को विवादी बना दो । वही काम तो मैं कर रहा हूं । मैं कबीर भक्त जो हूं !

कभी अपना देश जगतगुरु रहा होगा? अब तो नहीं है । लेकिन वोट की राजनीति ने लोगों के मुंह में यह ठूंसना चालू दिया है कि हम सत्ता में रहे तो देश जगतगुरु बनेगा। लेकिन यह होगा कैसे? यहां तो सत्ता की मलाई खाने वाले लोग बतलाते नहीं है । वे भाई-भाई में जात जात में धर्म धर्म में मजहब मजहब में बंटवारा कर रहे है। ऐसे में भला देश जगतगुरु बनेगा ?जहां पर पोगा पंथ का जोड़ है। इसीलिए मैं कहता हू जगतगुरु अंतिम स्टेज में है। बात समझ में आई? जब देश जगतगुरु था तो वह एकता के सूत्र में बधा हुआ था ।भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। फिर सोने की चिड़िया का पंख किसने कबाड़ दिया ।सैकड़ो वर्षो तक देश गुलाम कैसे बना रह ? स्वार्थ की राजनीति ने समाज में जब विभाजन की रेखा खींच दी तो धीरे धीरे इसकी गौरव गाथा धूमिल होने लगी और देश गुलाम हो गया।

लोकतंत्र को जगतगुरु बनाने वाले कहीं ऐसा तो करें इस नारे के आड़ में देश को रसातल में धकेल दें। चिंता का विषय यही है । यह मैं नहीं करता हूं ऐसा लोग कहते हैं।

जब तक सांस तब तक इस?

अरविंद विद्रोही
बिरसानगर जोन नंबर 2 रोड नंबर 2 जमशेदपुर 19
मोबाइल 87897 18130

कटाक्ष

। सारा खेत चर गए ।

बंधुवर ! तुम ये क्या कर गए ।
फूस पर अंगारे धर गए ।

बांगड़ समझा, भूल थी हमारी
तुम तो सारा खेत चर गए ।

हरियाली की जब थी ज़रूरत
पतझड़ पात - से तब झर गए ।

अभी तो चौमासा गया ही है -
अश्विनी-मेघों से डर गए ।

ख़ाली हाथ लौटे हो सदा -
अपना समझ जिसके घर गए

हालात तुम्हारे देखकर -
नयना आंसुओं से भर गए ।

वे गद्दार ज़रा भी न थे जो -
इस देश की ख़ातिर मर गए ।

वे शब्द तुम्हारे विष बुझे हैं -
जो दिल में शर-से उतर गए ।

उन्हें आज भी न भूले हैं हम -
जो राजनीतिक दिल हर गए ।

अशोक आनन
मक्सी

कार्टून कोना.....

"एक देश, एक चुनाव" को मोदी की हां, विपक्ष की ना किसकी होगी जीत?

रामस्वरूप रावतसरे शाहपुरा जयपुर

केन्द्र सरकार द्वारा पहले जनगणना करवाने की चर्चा छेड़ी गई और अब ''एक देश, एक चुनाव'' पर कोविंद समिति की रिपोर्ट को सरकार से स्वीकृति दे दी गई। मोदी कैबिनेट ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनी समिति की उस रिपोर्ट पर मुहर लगा दी है जिसमें कहा गया है कि देश में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एकसाथ करवाए जाएं। इससे पहले अधिकारियों की तरफ से खबर आई कि मोदी सरकार जनगणना करवाने की तैयारियां कर रह रही है। फिर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जल्द ही जनगणना की घोषणा की जाएगी। उन्होंने मोदी सरकार 3.0 के पहले 100 दिनों की उपलब्धियों की चर्चा के दौरान कहा, ''हम जल्द ही इसकी (जनगणना की) घोषण करेंगे।''

इस बार जनगणना कई मायनों में अलग होने वाली है। एक तो कि कोविड के कारण जनगणना टल गई थी और 10 साल की जगह अब इसे 13वें साल में शुरू कराया जाएगा। दूसरी यह कि इस बार जाति जनगणना का बड़ा शोर रहा है। विपक्ष और खासकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का इस पर खासा जोर है। फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने भी जातीय जनगणना के लिए हामी भर दी तो लगता है कि मोदी सरकार ने भी इसका मन बना लिया है। तीसरी खास बात यह है कि पहली बार डिजिटल माध्यम से जनगणना होगी। फिर जनगणना में आए आंकड़ों के आधार पर ही चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन भी होना है। इसके लिए नई संसद की दोनों सदनों, लोकसभा और राज्यसभा में सदस्यों के बैठने की सीटें बढ़ा दी गई हैं। ऐसा लगता है कि मोदी सरकार परिसीमन के साथ ''वन नेशन, वन इलेक्शन'' का प्रॉजेक्ट भी पूरा करने का इरादा रखती है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' पर उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्वीकृति दे दी है। इस बारे में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 1951 से 1967 के बीच एक साथ चुनाव हुए थे और अब कोविंद पैनल की सिफारिशों पर पूरे भारत में विभिन्न मंचों पर चर्चा की जाएगी।

देश में 1952,1957,1962 और 1967 के शुरुआती चार चुनावों में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एकसाथ ही मतदान हुए थे। फिर कुछ नए राज्य बने और कुछ पुराने राज्यों का पुनर्गठन हुआ जिस कारण केंद्र और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव की प्रक्रिया बंद हो गई। 1968-69 में कुछ राज्यों की विधानसभा को भंग कर दिया गया तो एकसाथ चुनाव की प्रक्रिया पूरी तरह से बंद हो गई। हालांकि, एक राष्ट्र, एक चुनाव पर लौटने की जरूरत तुरंत महसूस होने लगी और 1983 में चुनाव आयोग ने अपनी सालाना रिपोर्ट में इसकी सिफारिश कर दी। 1999 में विधि आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट में देशभर में एकसाथ चुनाव करवाने की जरूरत याद दिलाई गई। विधि आयोग ने ही 2018 में एक मसौदा रिपोर्ट सरकार को सौंपी। फिर मोदी सरकार ने 2023 में कोविंद समिति का गठन कर दिया और अब उसकी सिफारिश को सरकार ने मान भी लिया है।

जानकारी के अनुसार जनगणना का काम अगले वर्ष शुरू हो जाएगा और फाइनल रिपोर्ट आने में कम से कम एक वर्ष का वक्त लगेगा। 2026 में जनगणना का फाइनल डेटा आने के बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होगी। सूत्रों और विशेषज्ञों की राय में परिसीमन का काम पूरा होने के बाद 2027 में एक ''राष्ट्र, एक चुनाव'' की वापसी हो जाएगी

ऐसा माना जा रहा है। तब तक असम, बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल में 2026 में होने वाले चुनावों को रोका जा सकता है। वहीं, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और मणिपुर जैसे राज्यों के होने वाले चुनावों में कुछ दिन, सप्ताह या महीने का अंतर रह जाएगा क्योंकि इनके चुनाव 2027 में ही होने वाले हैं। त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड, कर्नाटक, मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलांगाना जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों को थोड़ा पहले कराया जा सकता है क्योंकि उनके चुनाव 2028 में शेड्यूल होंगे।

एक देश एक चुनाव को लेकर तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, 2019 में हुई एक सर्वदलीय बैठक में 19 दलो शामिल हुए थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि इसमें 16 दल एक देश एक चुनाव के पक्ष में थे जबकि 3 दल इसके विरोध में थे। समर्थन करने वालों मे पीडीपीं एनसीपी और बीआरएस भी शामिल थे। वहीं एआईएमआईएम, आरएसपी और सीपीएम ने इसका विरोध किया था। एक देश एक चुनाव को लेकर सरकार ने कहा कि वह एक समान वोटर लिस्ट बनाएगी।

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के लिए वर्तमान परिदृश्य में 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा को वास्तविकता बनाने के लिए आवश्यक संवैधानिक संशोधनों को पारित कराना कठिन कार्य हो सकता है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की सिफारिश के अनुसार, एक साथ चुनाव कराने की अवधारणा को लागू करने के लिए सरकार को संविधान में 18 संशोधन करने पड़ सकते हैं। राजग को 543 सदस्यीय लोकसभा में 293 सांसदों और 245 सदस्यीय राज्यसभा में 119 सांसदों का समर्थन हासिल है।

संसद में किसी संवैधानिक संशोधन को पारित करने के लिए प्रस्ताव को लोकसभा में साधारण बहुमत के साथ-साथ सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन प्राप्त होना आवश्यक है। यदि किसी संवैधानिक संशोधन पर मतदान के दिन लोकसभा के सभी 543 सदस्य उपस्थित हों, तो इसे 362 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होगी। लोकसभा में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटर इंक्लूसिव अलायंस) के 234 सदस्य हैं। राज्यसभा में राजग के पास 113 सांसद हैं और उसे छह मनोनीत सदस्यों का समर्थन प्राप्त है, जबकि 'इंडिया' के पास 85 सदस्य हैं। यदि मतदान के दिन राज्यसभा के सभी सदस्य उपस्थित हों तो दो-तिहाई सदस्य यानी 164 सदस्य होंगे। कुछ संवैधानिक संशोधनों को राज्य विधानसभाओं द्वारा अनुमोदित किए जाने की भी आवश्यकता होती है।

छह राष्ट्रीय राजनीतिक दलों में से दो-भाजपा और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) एक साथ चुनाव के समर्थन में हैं, जबकि चार-कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) इसके विरोध में हैं। हाल के लोकसभा चुनावों के बाद, कोविंद समिति के समक्ष एक साथ चुनाव का समर्थन करने वाली पार्टियों के लोकसभा में 271 सदस्य हैं। कोविंद समिति के समक्ष एक साथ चुनाव का विरोध करने वाली 15 पार्टियों की संसद में कुल सदस्य संख्या 205 है।

कॉन्ग्रेस, आम आदमी पार्टी समेत कई दलों ने कैबिनेट के इस प्रस्ताव का विरोध किया है। कॉन्ग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वह इसे नहीं मानते हैं और लोकतंत्र में यह नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को चलाने के लिए जब चाहिए तब चुनाव करवाना पड़ेगा। जानकारों का कहना है कि एक देष एक चुनाव का विपक्ष इसलिए विरोध कर रहा है कि उसको इसमें देष को लाभ के स्थान पर अपना नुकसान अधिक दिखाई देता है। सरकार और विपक्ष अपने अपने इरादों को कितना पूरा कर पायेंगे, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

कैलाश विजयवर्गीय का सोशल अकाउंट हैक

हैकर ने डाला क्रिप्टो करंसी प्रमोशन मैसेज, शिकायत के बाद हुआ रिस्टोर

इन्दौर। सोशल साइट्स वर्ल्ड में एक सनसनीखेज घटनाक्रम के चलते बुधवार रात दुनिया भर में कई सोशल अकाउंट्स हैकर्स द्वारा हैक किए गए उनमें इन्दौर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक एक से विधायक और मध्यप्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी शामिल हैं।

हैकर ने कैलाश विजयवर्गीय के ङ्ग एक्स अकाउंट को बुधवार रात हैक कर उस पर अंग्रेजी में लिखा कि - यह हैक किया गया अकाउंट है!! सोलाना- हम जिस भी अकाउंट को हैक करते हैं, हम उसका टोकन पता प्रकाशित करते हैं, ताकि हम उसे पंप कर सकें और साथ में मुनाफा कमा सकें।

कैलाश विजयवर्गीय सहित कई अन्य हैक अकाउंट पर पोस्ट इस मैसेज के बाद बताया जा रहा है कि यह ह ै क ि ग क्रिप्टोकरेंसी के प्रमोशन के उद्देश्य से की गई है। हैकर ने अंग्रेजी में लिखे अपने उक्त मैसेज के साथ एक लिंक भी शेयर की थी। 18 सितंबर की रात करीब 11.30 बजे केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित जो अकाउंट हैक हुए, उनमें दुनिया के गोल ब्राजील, हैदराबाद मेट्रो, सैंटा क्रूज काउंटी आदि प्रमुख अकाउंट्स शामिल हैं। हालांकि शिकायत के बाद तकरीबन इन सभी अकाउंट को कुछ ही देर बाद रिस्टोर किया जा चुका। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक्स अकाउंट भी इसी तरह हैक हो चुका है।

परफॉर्मेंस के आधार पर होगी मंडल और जिलाध्यक्षों की नियुक्ति

संगठन चुनाव में नहीं चलेगा दबाव या सिफारिश

इंदौर। भाजपा ने अपने आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। पार्टी के संगठन चुनाव को लेकर जो तारीखें सामने आ रही हैं, उसके अनुसार नवम्बर माह में पार्टी को मंडल अध्यक्ष मिल जाएंगे। तब तक पुराने अध्यक्ष ही कार्य करते रहेंगे। संगठन चुनाव को लेकर पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि पदाधिकारियों की नियक्ति ने न दबाव चलेगा और न ही सिफारिश। मंडल अध्यक्ष हो या जिलाध्यक्ष उनकी नियुक्ति परफॉर्मेंस के आधार पर होगी।

इसके लिए पहले रायशुमारी बनाई जाएगी, अगर जरूरत पड़ी तो लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराए जाएंगे। संगठन पर्व के साथ बूथ अध्यक्ष के चुनाव कराए जाएंगे। बूथ अध्यक्ष का चयन और मंडल प्रतिनिधि चुनने के बाद बूथ अध्यक्ष और मंडल प्रतिनिधि ही मंडल अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। इसके बाद जिलाध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। पार्टी ने सभी 64,871 बूथों पर चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। मप्र भाजपा के प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल का कहना है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देशन में समयावधि तय होती है। उसी आधार पर सदस्यता, सक्रिय सदस्यता और फिर निर्वाचन की प्रक्रिया होती है। यह सब केंद्रीय नेतृत्व ही तय करता है।

गौरतलब है कि भाजपा हर तीन साल में अपने संगठन और अध्यक्ष में बदलाव करती है। यह बदलाव चुनाव या फिर रायशुमारी के आधार पर होते हैं और कहीं-कहीं सर्वसम्मति भी बन जाती है। फिलहाल चुनाव की जो तारीखें आई हैं, उसमें 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक मंडल अध्यक्षों का चुनाव होना है और इसके बाद 16 नवम्बर से 30 नवम्बर तक जिलाध्यक्षों के चुनाव भी करवा लिए जाएंगे। दिसम्बर माह में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव भी हो जाएगा और जनवरी में नया राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा को मिल जाएगा। हालांकि अभी इनकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। मप्र में भाजपा साढ़े चार साल बाद मंडल अध्यक्ष के चुनाव कराने जा रही है। पार्टी की तैयारी नवंबर में मंडल अध्यक्षों का चुनाव कराने की है। इसके बाद जिलाध्यक्षों का चुनाव होगा। पहले रायशुमारी से अध्यक्ष चुने जाने की मंशा है। सहमति न बनने पर ही लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराए जाएंगे। यह अवश्य ध्यान में रखा जाएगा कि किसी विधायक या मंत्री के दबाव में मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति न होने पाए। दरअसल, पहले कोरोना संक्रमण फिर, विधानसभा और लोकसभा चुनाव के चलते भाजपा संगठन के चुनाव पिछले साढ़े चार साल से नहीं हो पाए थे। लेकिन अब केंद्रीय नेतृत्व ने चुनाव कराने की समय सीमा तय कर दी है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं की परफार्मेंस भी मंडल और जिलाध्यक्ष के चयन का आधार होगी। संगठन पर्व के दौरान अधिक से अधिक सदस्य बनाने वालों नामों की अनुशंसा की जा सकती है।

अब तक बने 29 लाख सदस्य

इस समय भाजपा का सदस्यता अभियान चल रहा है। दिल्ली में हुई बैठक में भी पार्टी के सदस्यता अभियान को लेकर समीक्षा की गई है। 14 सितंबर तक प्रदेश में सदस्यता 29 लाख के पार हो चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के कार्यकर्ता बेहद ऊर्जावान हैं, यदि उन्होंने डेढ़ करोड़ का लक्ष्य रखा है तो वे दो करोड़ सदस्य बना लेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा का कहना है कि सदस्यता की ताकत ही चुनावों में जीत की राह को आसान करती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को देश के एक करोड़ युवाओं को राजनीति में आने का आह्वान किया है। 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए युवा, भाजपा की सदस्यता ग्रहण करें। संगठन शक्ति, बूथ स्तर कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिश्रम के साथ शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में लहार विधानसभा और छिंदवाड़ा लोकसभा का चुनाव जीते हैं। अब सैलाना विधानसभा जीतना है। सैलाना को जीतने के लिए कार्यकर्ता इस विधानसभा के निर्धारित 64 हजार के लक्ष्य से अधिक लोगों को पार्टी का सदस्य बनाएं। शर्मा ने संगठन पर्व के तहत सैलाना, रतलाम, झाबुआ और धार में कार्यकर्ताओं की बैठक और सदस्यता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में 29 लाख से अधिक लोग पार्टी के सदस्य बन चुके हैं। शर्मा ने घरों व दुकानों पर संपर्क कर संगठन पर्व के स्टीकर चिपकाएं एवं पार्टी की सदस्यता दिलाई।

डेढ़ करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य

वीडी शर्मा ने कहा कि संगठन पर्व के तहत पहला चरण 25 सितंबर तक चलेगा और हमें डेढ़ करोड़ से ज्यादा सदस्यों के लक्ष्य को पार कर मप्र में रिकार्ड कायम करना है। आज पूरे प्रदेश में किसान सदस्यता दिवस मनाया जाएगा और बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सदस्य बनाया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष किसान मोर्चा, कोआपरेटिव कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्र के हर बूथ पर सदस्य बनाएंगे। भाजपा में प्रत्याशी नहीं, कार्यकर्ता चुनाव लड़ता है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने किसी के साथ कोई योजना में भेदभाव नहीं किया। मुस्लिमों को भी योजनाओं का उतना ही लाभ मिल रहा है जितना अन्य वर्गों को। घर-घर में लाड़ली बहना और लाड़ली लक्ष्मी है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान का ही असर है कि मध्य प्रदेश में अभी तक जो नए सदस्य बने हैं, उनमें 40 प्रतिशत युवक-युवती हैं।

मैं भी युवाओं का आह्वान करता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए राजनीति में आएं। आज जो 18 से 25 वर्ष के युवा हैं वे 2047 के भारत का नेतृत्व करने वाले हैं। इसलिए नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए आप सभी युवा भाजपा के संगठन पर्व के तहत भाजपा परिवार का सदस्य बनें और देश को विश्व गुरू बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। विष्णुदत्त शर्मा ने सैलाना, रतलाम, झाबुआ और धार में प्रबुद्धजनों, व्यापारियों, डाक्टर, अधिवक्ता और सीए सहित बड़ी संख्या में युवाओं को भाजपा पार्टी की सदस्यता दिलाई है। इसके साथ ही प्रबुद्धजनों एवं बूथ अध्यक्षों का सम्मान भी किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड,
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com